mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-327 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
28 नवंबर 2024 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

एनडीए के प्रतिबंध ...
@ पेज 7

6 लोगों के हत्यारों को पकड़ने तक जारी रहेगा अभियान

● सीएम बीरेन बोले-जिरीबाम घटना के आरोपी नहीं बचेंगे ● मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ शुरू हो गया ऑपरेशन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर सरकार ने उग्रवादियों को पकड़ने के लिए बड़े स्तर पर ऑपरेशन लॉन्च किया है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि जिरीबाम जिले में अपहरण कर मारे गए तीन बच्चों और तीन महिलाओं के हत्यारों को पकड़ने के लिए पूरे राज्य में अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 7 और 11 नवंबर को जिरीबाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद सीआरपीएफ की दो कंपनियों को वहां भेजा गया था। इसके तुरंत बाद ही पांच अतिरिक्त कंपनियों को वहां तैनात किया

गया। बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन कुछ आरोपियों की पहचान की गई है। जब तक गुनहगारों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ केस दर्ज नहीं किया जाता है, ऑपरेशन जारी रहेगा। हम जनता को बताना चाहते हैं कि मौजूदा हालात में हम मीडिया के जरिए आपको जानकारी नहीं दे पाएंगे। कई ऐसे मौके रहे हैं,जब सरकार ने सार्वजनिक तौर पर कोई ऐलान किया है और उसका फायदा उठाकर अभियानों को रोकने की कोशिश की।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश की घटना पर भारत नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में इॅस्कान के संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद भारत समेत कई जगहों से आलोचना हो रही है। यह गिरफ्तारी बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों के बीच हुई है। चिन्मय कृष्ण दास,

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे थे। उन पर अक्टूबर में चट्टोग्राम में एक रैली में बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने का आरोप है। भारत सरकार ने इस गिरफ्तारी पर नाराजगी व्यक्त की है और बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।

गजबे कर दिया!

फडणवीस ने अपने दो पीए को भी बना दिया एमएलए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कई नेताओं के निजी सहायक (पीए) भी विधायक बनकर विधान भवन पहुंचे हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दो पीए सुमित वानखेड़े और अभिमन्यु पवार ने क्रमशः अरवी और औसा सीटों से जीत हासिल की। हालांकि एकनाथ शिंदे

के पीए बालाजी खटगांवकर को मुक्हेड सीट से हार का सामना करना पड़ा। यह घटनाक्रम प्रशासनिक तबके से आने वाले उम्मीदवारों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। ये पीए अपने प्रशासनिक अनुभव का लाभ उठाकर चुनावी मैदान में उतरे और उन्हें सफलता भी मिली। पहले भी कई पीए विधायक और एमपी बन चुके हैं। इनमें दिलीप वालसे पाटिल और मिलिंद नार्वेकर जैसे नाम हैं। सुमित और अभिमन्यु पवार, फडणवीस के पीए रहे हैं।

तमिलनाडु से 2 दिन में टकरा सकता है फेंगल तूफान

चेन्नई (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल तूफान आज चक्रवात में बदल गया है। अगले दो दिन यह तमिलनाडु की तरफ बढ़ेगा। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान 75-80 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से हवाएं चलेंगी। चेन्नई, चेंगलपेट, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, कुड्डालोर, नागापट्टिनम में लगातार बारिश जारी है। इन 6 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। चेन्नई में मंगलवार को 7 फ्लाइट्स लेट हो गईं।

तूफान के असर को लेकर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हाई-लेवल बैठक की। एनडीआरएफ की 7 टीमों को तिरुवरुर, मयिलादुथुरई, नागापट्टिनम और कुड्डालोर जिले में तैनात किया गया है। 7 नवंबर को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है, 28 और 29 नवंबर को भी तटीय इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। 27 नवंबर को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

महाराष्ट्र में शिंदे का सरेंडर आ गई देवेन्द्र की बारी!

● एकनाथ शिंदे बोले-भाजपा का सीएम हमें मंजूर,पद की लालसा नहीं ● जब मुख्यमंत्री था तब मोदी साथ खड़े रहे,जो फैसला लेंगे वह स्वीकार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र का अगला सीएम भाजपा का हो सकता है। बुधवार को ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा। शिंदे ने कहा- मैंने कल (26 नवंबर) मोदी जी को फोन किया था हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, मन में कोई अड़चन न लाएं। हम सब एनडीए का हिस्सा हैं। भाजपा की बैठक में जो फैसला लिया जाएगा, हमें मंजूर होगा। कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है।

हम अड़चन नहीं, पूरी शिवसेना को मोदीजी का फैसला स्वीकार

शिंदे ने कहा, मैंने मोदीजी-शाहजी को फोन किया। मैंने उनसे कहा कि आपका जो भी फैसला होगा, हमें स्वीकार है। भाजपा की बैठक में आपका कैंडीडेट चुना जाएगा, वो भी हमें स्वीकार है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं है। आप सरकार बनाने को लेकर जो फैसला लेना चाहते हैं, ले लीजिए। शिवसेना और मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं है।

● मैं आम आदमी, कभी खुद को सीएम नहीं समझा - एकनाथ शिंदे ने कहा, आम आदमी को क्या समस्या आती है, वो मैं समझता हूं। मैंने कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। मैं देखता आ रहा हूं कि कुटुम्ब को कैसे चलाया जाता है। मैंने सोचा था कि जब मेरे पास अधिकार आएंगे तो जो परेशान हैं, उनके लिए योजनाएं लाएंगे। एकनाथ शिंदे बोले, हमने ढाई साल सरकार चलाई। इस दौरान केंद्र सरकार हमारे साथ मौजूद रही, खड़ी रही।

● मैं आपका लाडला भाई, ये लोकप्रियता ज्यादा अच्छी- शिंदे ने कहा, जब सीएम था, जब लोगों को लगता था कि हमारे बीच का मुख्यमंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं। मेरी जो पहचान मिली है, वो आपकी वजह से है। मैंने लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, महाराष्ट्र की जनता के लिए काम किया। राज्य की बहनें और भाई अब खुश हैं। बहनों ने मेरा साथ दिया और मेरी रक्षा की, अब मैं उनका लाडला भाई हूं, यह पहचान अच्छी है।

जम्मू के 4 जिलों के 56 ठिकानों पर पुलिस की छापेमारी

लश्कर-जैश से जुड़े होने का शक था

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने दो दिन में 56 आतंकवादी ठिकानों पर रेड कर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कई संदिग्ध आतंकवादियों और ग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया है। जम्मू रीजन के चार जिलों में हुई छापेमारी में पुलिस को कई हथियार, कैश, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और दस्तावेज बरामद हुए हैं। इंटेलीजेंस के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को राजौरी

जिले में घरों सहित 9 इलाकों की कई लोकेशन पर छापे मारे। इसके अलावा दो दिन में पुंछ की 12, उधमपुर की 25 और रियासी की 10 लोकेशन पर पुलिस ने रेड की। जम्मू जोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजी) आनंद जैन ने कहा कि जब्त किए गए सामान और जानकारी के आधार पर आगे की जांच की जाएगी।

संभल में 'बवालियों' से ही होगी नुकसान की वसूली

● चौराहों पर 100 आरोपियों के लग गए पोस्टर, महिलाएं भी शामिल

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल की जामा मस्जिद में सर्वे को लेकर जमकर बवाल देखने को मिला और उपद्रवियों ने हिंसा का खूब तांडव मचाया। पुलिस पर पत्थरबाजी करने से लेकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तक की जुर्रत करने वालों के खिलाफ अब योगी सरकार सख्त हो गई है और यह तय किया गया है कि नुकसान की सारी वसूली पत्थरबाजों से ही की जाएगी।

बता दें कि संभल में हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत हुई थी और कई पुलिसवाले समेत आम लोग घायल हुए थे। उपद्रवियों ने गाड़ियों में आग लगाने से लेकर जमकर पत्थरबाजी की थी। एक तरफ जहां अब हालात सामान्य हो रहे हैं तो अब दूसरी ओर योगी प्रशासन पत्थरबाजों और उपद्रवियों की तलाश जारी है। योगी सरकार द्वारा यह तय किया गया है कि पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर्स सार्वजनिक जगहों पर वॉन्टेड की तरह लगाए जाएंगे। इसके अलावा जो उपद्रवी पकड़ में नहीं आएंगे, उनके ऊपर इनाम घोषित किया जाएगा। यह स्पष्ट संकेत हैं कि संभल हिंसा मामले के आरोपियों को, योगी प्रशासन बिल्कुल भी बख्शने वाला नहीं हैं।

झांसी अग्निकांड पर यूपी सरकार का बड़ा ऐक्शन

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल हटाए गए और 3 सस्पेंड, बच्चों की मौत पर गिरी गाज

झांसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में हुए अग्निकांड में 10 बच्चों की मृत्यु के मामले में योगी सरकार ने बड़ी कार्यवाही की है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के प्रिंसिपल को हटा दिया है। उन्हें लखनऊ से अटैच किया गया है। इसके साथ ही कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को आरोप पत्र एवं 3 अन्य को निलंबित किया गया है।

प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र सिंह सेंगर को अटैच किया गया है। वहीं चाइल्ड डिपार्टमेंट के जूनियर इंजीनियर, नर्सिंग सिस्टर इंचार्ज को सस्पेंड किया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई

हृदय विदायक घटना को लेकर सरकार बेहद संवेदनशील है। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में एक जांच कमेटी का गठन किया गया था। जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह सेंगर को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है। इसके साथ ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन माहुर को आरोप पत्र दिया गया है। एनआईसीयू वार्ड की नर्सिंग सिस्टर इंचार्ज संध्या राय व अधीक्षक डॉ. सुनीता राठौर को जांच का प्रभारी बनाया गया है। 15 नवम्बर को झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू वार्ड में आग लगने से दस बच्चों की मृत्यु हो गई थी। हादसे के तुरंत बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक घटनास्थल पर पहुंचे थे और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी थी। साथ ही दोषियों पर कार्यवाही का आश्वासन दिया था।

अडानी को जेल में होना चाहिए मोदी सरकार उन्हें बचा रही है

● राहुल गांधी ने अडानी मामले में एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को घेरा

● अडानी मुद्दे पर संसद में जबरदस्त हंगामा, विपक्ष ने की चर्चा की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गौतम अडानी के खिलाफ कार्रवाई न करने पर मोदी सरकार की आलोचना की है। अडानी के खिलाफ अमेरिकी अधिकारियों ने रिश्वतखोरी के आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी ने बुधवार को संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा कि आपको क्या लगता है कि अडानी आरोपों को स्वीकार करेंगे। जाहिर है कि वे आरोपों से इनकार देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुद्दा यह है कि उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सैकड़ों लोगों को छोटे-छोटे आरोपों में गिरफ्तार किया जा रहा है और सज्जन (गौतम अडानी) पर अमेरिका में

हजारों करोड़ रुपये का आरोप है, उन्हें जेल में होना चाहिए। सरकार उन्हें बचा रही है। अडानी समूह की ओर से बुधवार को जारी बयान में दावा किया गया गया कि अमेरिकी भ्रष्टाचार प्रैक्टिस एक्ट के तहत आरोप लगाए जाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। और गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी , विनीत जैन पर यूएस डीओजे के अभियोग या यूएस एसईसी की सिविल शिकायत में निर्धारित मुकदमों में किसी भी उल्लंघन का आरोप नहीं है। इससे पहले सोमवार अडानी समूह ने रिश्वत खोरी के आरोपों को आधारहीन बताया था। अब सेबी की तरफ से स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

हैवानियत! 25 दिन में 5 मर्डर, लाश से भी किया रेप

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड में बीते 14 नवंबर को 19 साल की छात्रा की रेप के बाद हत्या करने वाला आरोपी सीरियल किलर निकला है। आरोपी ने इस वारदात के पहले 25 दिन में ही चार और हत्याओं का जुर्म कबूल किया है। गुजरात पुलिस ने आरोपी को 5 दिन की

रिमांड पर लिया है। पूछताछ में और भी वारदातों का खुलासा होने की आशंका है। वलसाड के पारडी तालुका के मोतीवाला इलाके में रहने वाली बीकॉम सेकंड ईयर की स्टूडेंट ट्यूशन से घर लौट रही थी। इसी दौरान सुनसान इलाके से गुजरते वक्त आरोपी उसे झाड़ियों में खींचकर ले गया।

बुझे वाला सब बुझता है...

बिहार में खरमास से पहले फिर हो सकता है 'खेला'!

● नीतिश-तेजस्वी ने इशारों में की बात,राजनीतिक अटकलें बढ़ीं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच इशारों में बातचीत हुई। इससे नीतिश कुमार के फिर से पाला बदलने की अटकलें तेज हो गई हैं। तेजस्वी ने इस पर कहा कि बुझे वाला सब बुझता है (समझने वाला सब कुछ समझ रहा है)। तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद अटकलों का बाजार गरम है। अभी से ही कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। दरअसल, नीतिश कुमार बार-बार कहते रहे हैं कि वे बीजेपी का साथ नहीं छोड़ेंगे। वे मानते हैं कि कुछ लोगों के बहकावे में आकर वे आरजेडी के साथ चले गए थे। अब वे कहते हैं कि मरते दम तक एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे। कई मौकों पर उन्होंने सार्वजनिक रूप से बीजेपी और बिहार की जनता को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की है लेकिन लोगों को अभी भी उनकी बातों पर शक है। विधानसभा में तेजस्वी और

नीतिश के बीच इशारों में हुई बातचीत ने फिर से राजनीतिक हलचल मचा दी है। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद तेजस्वी से जब इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने भी इशारों में ही जवाब दिया।

अवैध कटाई में संलिप्त वन माफियाओं को पकड़ने की मुहिम जारी

भोपाल। वन विभाग द्वारा सागौन की अवैध कटाई करने वाले वन माफियाओं को गिरफ्तार करने की मुहिम चलायी जा रही है। इसी क्रम में वन मण्डलाधिकारी, उत्तर बैतूल, सामान्य वन मण्डल श्री नवीन गर्ग ने बताया कि उत्तर बैतूल, सामान्य वन मण्डल के परिक्षेत्र बैतूल सामान्य वन मण्डल में 18 एवं 19 नवम्बर को वन विभाग द्वारा रात्रि गश्त के दौरान खारी बीट में जाँच करने पर सागौन की लकड़ी से भरा अशोक लीलेण्ड मिनी ट्रक जप्त कर वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। वाहन की जाँच करने पर वाहन में रामकुमार वल्द पुरुषोत्तम मेहरा के नाम के ड्रायविंग लायसेंस की छायाप्रति प्राप्त हुई। इसके आधार पर वन मण्डलाधिकारी उत्तर बैतूल श्री नवीन गर्ग सामान्य वन मण्डल के निर्देशन में उप वन मण्डलाधिकारी श्री श्रेयस श्रीवास्तव और परिक्षेत्र अधिकारी श्री ए.एस. बघेल के नेतृत्व में अलग-अलग दल गठित कर विभिन्न स्थलों पर छापामार कार्रवाई की गयी। छापामार कार्रवाई में वाहन मालिक रामकुमार मेहरा निवासी राहुल नगर मण्डीदीप जिला रायसेन को गिरफ्तार कर बयान दर्ज किये गये। आरोपी रामकुमार मेहरा ने बयान में यह बताया कि उसके द्वारा राजू वाड़ीवा निवासी ग्राम पाठई तहसील शाहपुर के साथ में सागौन कटाई कर परिवहन किया गया। वन विभाग द्वारा पूर्व में 27 अक्टूबर को 3 आरोपियों में राजा पिता राजू वाड़ीवा, शेख अफजल और पाढर के सोनू मुईनुद्दीन की गिरफ्तारी की जा चुकी है। वन विभाग की टीम द्वारा 22 नवम्बर को आरोपी को न्यायालय द्वारा उसके बयान के आधार पर पूछताछ एवं मौका निरीक्षण के लिये 3 दिवस के लिये फॉरेस्ट रिमाण्ड पर भेजा गया है। आरोपी रामकुमार मेहरा को 25 नवम्बर को मेडिकल परीक्षण के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा प्रकरण की विवेचना में आरोपी द्वारा किये गये अपराध के आधार पर 7 दिसम्बर 2024 तक ज्यूडीशियल रिमाण्ड पर भेजा गया है। प्रकरण में आगामी कार्रवाई की जा रही है।

दिव्यांग प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने सरकार प्रतिबद्ध - मंत्री श्री कुशवाह

भोपाल। सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने मंगलवार को ग्वालियर में इंटर स्टेट वुमन ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट का उदघाटन किया। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांग प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है। सरकार द्वारा दिव्यांग खिलाड़ियों को हर संभव खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। मंत्री श्री कुशवाह ने टूर्नामेंट में भाग ले रहीं क्रिकेट टीम के सदस्यों से परिचय प्राप्त कर उन्हें प्रोत्साहित किया। ग्वालियर के एलएनआईपीई क्रिकेट मैदान पर मध्यप्रदेश की क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित प्रतियोगिता 03 दिसंबर तक चलेगी। इसमें गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की टीमें हिस्सा ले रहीं हैं। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर अध्यक्ष क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा, श्री अतुल अतरौली, श्री एस.के. अग्रवाल सहित अतिथियों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया एवं मैच का आनंद लिया।

प्रदेश में दिव्यांग छात्रावास की स्थापना एवं संचालन

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये 50 सीटर बालक और 50 सीटर बालिका दिव्यांग छात्रावास के निर्माण के लिये 3 करोड़ 46 लाख रुपये प्रति इकाई के मान से स्वीकृति प्रदान की गयी है। छात्रावास का निर्माण संभागीय मुख्यालय पर स्थित ऐसे स्कूलों में किया जायेगा, जहाँ सह-शिक्षा उपलब्ध है। वर्तमान में ऐसे दिव्यांग विद्यार्थी, जो कक्षा-8वीं तक की शिक्षा राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में रहकर करते हैं, उत्तीर्ण होने पर उनके लिये उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ाई के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में व्यवस्था की गयी है। स्वीकृत छात्रावासों में से ग्वालियर, जबलपुर तथा शहडोल में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष स्थानों पर छात्रावास भवनों का निर्माण प्रगति पर है।

प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक शहडोल श्री पटेल निलंबित

भोपाल। राज्य शासन द्वारा प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रण शहडोल श्री विपिन पटेल को निलंबित कर दिया गया है। श्री पटेल को समर्थन मूल्य पर शिवपुरी जिले की सेवा सहकारी संस्था को एक किसान द्वारा विक्रय किये गए गेंहू का भुगतान नही होने पर समाधान ऑनलाइन में की गई शिकायत एवं परीक्षण के बाद निलंबित किया गया है। श्री पटेल तत्समय शिवपुरी जिले में जिला आपूर्ति अधिकारी और जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम के प्रभारी थे।

मध्यप्रदेश वरिष्ठ नागरिक नीति को और ज्यादा प्रासंगिक बनाने पर जोर

भोपाल। मध्यप्रदेश वरिष्ठ नागरिक नीति का पुनरीक्षण कर इसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अधिक प्रासंगिक बनाया जाना चाहिए। विशेषण एवं नीति निर्धारकों ने यह विचार मंगलवार को होटल पलाश भोपाल में वृद्धजन कल्याण के लिए आयोजित कार्यशाला में व्यक्त किये। मध्यप्रदेश योजना आयोग और सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मध्यप्रदेश में वृद्धावस्था के लिए एक आधुनिक दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया हुआ। राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, विषय विशेषज्ञ, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और नीति निर्माताओं ने कार्यशाला में भाग लिया।

मध्यप्रदेश में वृद्धजन आबादी में तेजी से वृद्धि हो रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की संख्या 57.13 लाख थी, जो 2031 तक बढ़कर 11.1त्न होने का अनुमान है। समाज में बदलते पारिवारिक ढांचे, स्वास्थ्य समस्याओं, डिजिटल प्रौद्योगिकी तक सीमित पहुंच और वित्तीय चुनौतियों ने वृद्धजनों के समक्ष नई समस्याएं प्रस्तुत की हैं। इस कार्यशाला का उद्देश्य वृद्धावस्था को एक नए दृष्टिकोण से परिभाषित करते हुए स्वास्थ्य, सामाजिक समावेश और आर्थिक सुरक्षा को प्राथमिकता देना था।

उप सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री विकास मिश्रा ने कहा कि वृद्धजनों को वित्तीय और डिजिटल साक्षरता प्रदान करना आवश्यक है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

सीओओ, हेल्प एज इंडिया, नई दिल्ली श्री प्रतीप चक्रवर्ती ने बताया कि 2024 में वृद्धजनों की आबादी 15 करोड़ है जो 2050 तक बढ़कर 20 करोड़ (कुल जनसंख्या का 20) हो जाएगी। उन्होंने वृद्धजनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ई-स्वयं सहायता समूहों डिजिटल जागरूकता और घर आधारित देखभाल जैसे कार्यक्रमों की सिफारिश की। स्मृति सोनाली पोंक्षे वायंगणकर प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय विभाग ने पुरानी पेंशन योजना, वरिष्ठ नागरिक क्लब, तीर्थाटन योजना, और वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन (14567) जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों को सक्रिय और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, साइबर सुरक्षा जागरूकता, और सामुदायिक भागीदारी को सुदृढ़ करना होगा।। डॉ. सुधा गोयल वरिष्ठ सलाहकार, नीति आयोग ने बताया कि मध्यप्रदेश में 71त्न वृद्धजन ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और उनमें से 50 प्रतिशत से अधिक को गतिशीलता संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने वृद्धजनों की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी को पूरा करने, और समग्र स्वास्थ्य पैकेज को लागू करने की सिफारिश की।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री श्री यादव से सौजन्य भेंट की

भोपाल। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव से सौजन्य भेंट की। मंत्री डॉ. शाह ने केन्द्रीय मंत्री श्री यादव को मध्यप्रदेश मे वन अधिकार अधिनियम का कारगर रूप से अमल कर सभी पात्र व्यक्तियों को उनका वाजिब हक दिलाने के लिए उठाये जा रहे कदमों एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी।

शाजापुर जिले का किसान गोपाल रत्न राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 से सम्मानित

भोपाल। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह द्वारा शाजापुर जिले के शुजालपुर कैंप की पटलावदा दुग्ध समिति के डेयरी किसान श्री देवेन्द्र परमार को गोपाल रत्न राष्ट्रीय पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 26 नवंबर के अवसर पर कृषक श्री परमार को मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में उपलब्धि के लिए प्रदेश के शाजापुर जिले के किसान देवेंद्र परमार का केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2024 के लिए चयन हुआ। उन्हें बेस्ट डेरी फार्मर वर्ग में देसी पशु नस्ल सुधार के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया है।

कृषक श्री देवेंद्र शाजापुर जिले के पटलावदा के दुग्ध उद्यमी किसान हैं, जो भोपाल दुग्ध संघ के अंतर्गत शुजालपुर दुग्ध उत्पादन समिति के सदस्य हैं। वे बड़ी संख्या में दुधारू पशुओं का पालन करते है और देसी गायों की नस्ल सुधार में उल्लेखनीय कार्य किया है। वे देव डेयरी के नाम से पैकेज्ड दूध बेचते हैं। उन्होंने अपने खेत में गोबर गैस संयंत्र भी लगा हुआ है,

राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से की भेट

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने आज केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से दिल्ली प्रवास के दौरान सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के आर्थिक उत्थान और स्वावलंबन को प्रोत्साहन देने के लिए दो महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

श्रीमती बागरी ने आग्रह किया कि समर्थन मूल्य पर संचालित खरीदी केंद्रों में महिला स्वसहायता समूहों को 33त्न आरक्षण दिया जाए। वर्तमान में, स्वसहायता समूहों को केवल उन खरीदी केंद्रों का संचालन सौंपा जाता है, जो शेष रह जाते हैं। इस नीति में संशोधन कर महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने से समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिलेगा। साथ ही महिला स्वसहायता समूहों के आर्थिक बोझ को कम करने के लिए उन्होंने सहकारी बैंकों से जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देने की योजना प्रारंभ करने का भी मांग रखी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में महिलाएं उच्च ब्याज दर पर ऋण लेकर कार्य कर रही हैं, जिससे उनके लाभ का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है। सहकारी बैंकों से जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देने की योजना के माध्यम से महिलाओं को अपने व्यवसाय और योजनाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने का अवसर मिलेगा। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन से महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकेंगी और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश की महिलाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

आईटी के क्षेत्र में आत्म-निर्भर हो रहा है मध्यप्रदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आईटी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। राज्य सरकार ने आईटी क्षेत्र में विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिये प्रमुख शहरों- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में आईटी पार्क की स्थापना की है। इन पार्कों में अत्याधनिक सुविधाओं और कंपनियों को प्रोत्साहन देकर रोजगार के नये अवसर पैदा किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में 5 आईटी स्पेशल इकॉनॉमिक जोन स्थापित हैं और 15 से ज्यादा आईटी पार्क बनाये गये हैं। इससे 1.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

भोपाल के ग्राम बड़वई में 204 एकड़ भूमि पर आईटी पार्क स्थापित है जिसमें 78 कंपनियों को 109 भूखंड आवंटित किए गए हैं। इनमें से 12 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है और 48 कंपनियों ने निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। अब तक लगभग 1200 रोजगार सृजित हुए हैं।

इंदौर के परदेशीपुरा में 5 एकड़ भूमि पर निर्मित 2 भवनों में 16 कंपनियां कार्यरत हैं, जिससे 600 नागरिकों को रोजगार मिला है। यहां इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा 48 करोड़ रुपये की लागत से आईटी भवन का विस्तार किया गया, जिससे 2500 नागरिकों को रोजगार मिला है। इससे भविष्य में 1000 और रोजगार के अवसर बनने की संभावना है।

सिंहासा, इंदौर में 112 एकड़ भूमि पर विकसित आईटी पार्क में 32 कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है। यहां 5 एकड़ भूखंड पर निर्मित 80 हजार वर्गफीट भवन से 2000 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है ग्वालियर के मालनपुर में 20.76 एकड़ भूमि पर विकसित आईटी पार्क में 73 हजार वर्गफीट भवन बनाया गया है,

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा

भोपाल। हम होंगे कामयाब पखवाडा में आयोजित कार्यशाला %महिला सुरक्षा संवाद के दूसरे दिन उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों और नागरिक समाज के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिये प्रतिबद्ध है, जहां महिलाएं हिंसा और भेदभाव के बिना आगे बढ़ सकें।

कार्यशाला के स्काई सोशल की संस्थापक सृष्टि प्रगट ने युवा पीढ़ी की बदलाव लाने की अपार क्षमता को उजागर किया और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से मुक्त एक भविष्य बनाने में उनके योगदान की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने सामूहिक प्रयासों और सक्रिय युवा भागीदारी की बात की, जिससे प्रणालीगत समस्याओं का समाधान किया जा सके, और यह सुनिश्चित किया जा सके।

रेडियो बुन्देलखण्ड की आर.जे. सुश्री वर्षा ने कैसे युवा सामाजिक परिवर्तन के प्रेरक बन सकते हैं पर चर्चा की। इसमें यूनिसेफ के अधिकारियों के साथ-साथ आरंभ और उदय के युवाओं ने अपनी परिवर्तनकारी कहानियाँ और लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ जमीनी स्तर पर संघर्ष की रणनीतियाँ साझा कीं। इस सत्र ने युवाओं को समुदाय विकास और लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. वंचना सिंह परिहार ने महिला हिंसा से प्रभावित व्यक्तियों के लिए एक समग्र सहायता प्रदान करने वाली वन स्टॉप सेंटर्स की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने इन केंद्रों के संचालन को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि ये अधिक सुलभ और पीड़ित केंद्रित हो सकें। अधिवक्ता श्री योगेश पंडित ने साइबर हिंसा से उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं को ऑनलाइन उत्पीड़न से बचाने के लिए कार्यात्मक दृष्टिकोण प्रदान किए और कानून व्यवस्था के तहत अपराधियों को जिम्मेदार ठहराने के तरीकों पर चर्चा की। क्लिनिकल साइकॉलाजिस्ट सुश्री गर्गी कन्हेरे द्वारा संचालित लिंग आधारित हिंसा का मानसिक प्रभाव सत्र में लिंग आधारित हिंसा युवाओं पर मानसिक प्रभाव कितना गहरा हो सकता है पर चर्चा की गई। सत्र में इस तरह के मानसिक आघात को समझने, सहनशीलता का निर्माण करने और सहानुभूतिपूर्ण समर्थन प्रणालियाँ विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया साबरमती आश्रम अहमदाबाद का भ्रमण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मंगलवार को अपने तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन अहमदाबाद में साबरमती आश्रम का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि यहाँ के शांतिपूर्ण और ऐतिहासिक वातावरण ने मन को गहराई तक छू लिया। यह स्थान महात्मा गांधी के सिद्धांतों और उनके संघर्षों की गवाही देता है।

आश्रम की सादगी और सौंदर्य ने हर किसी को प्रेरित किया। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि साबरमती आश्रम भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रमुख केंद्र रहा है और आज भी यह अहिंसा व सत्य के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य कर रहा है। इस दौरे से न केवल ऐतिहासिक जानकारी मिली, बल्कि एक अद्वितीय मानसिक शांति का अनुभव भी हुआ। उन्होंने महात्मा गांधी की

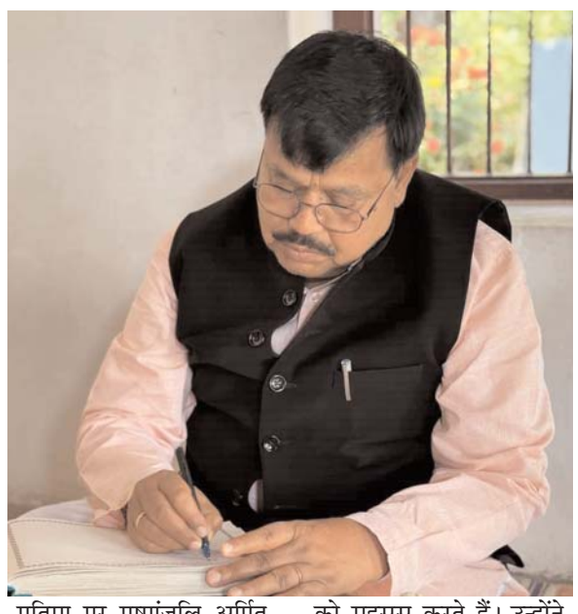

प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि साबरमती आश्रम हमेशा से अतुलनीय ऊर्जा का जीवंत केंद्र रहा है और हम अपने आप में बापू की प्रेरणा को महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि साबरमती आश्रम देश की ही नहीं, बल्कि मानव जाति की ऐतिहासिक धरोहर है। यहां आकर मन को शांति मिलती है। उन्होंने साबरमती आश्रम आकर गांधी जी के जीवन और सिद्धांतों के सम्बन्ध में जानकारी हासिल की। इसके बाद आश्रम में मगन निवास, उपासना मंदिर, हृदयकुंज, विनोबा-मीरा कुटीर, नंदिनी, उद्योग मंदिर, सोमनाथ छात्रालय का भ्रमण किया।ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने आश्रम में विजिटर्स बुक में अपने विचार लिखे तथा बापू का चरखा भी चलाया। उन्होंने खादी से बना कुर्ता और कुछ महत्वपूर्ण किताबें खरीदते हुए कहा कि यह न केवल महात्मा गांधी जी के विचारों को नमन है, बल्कि स्वदेशी और आत्म निर्भर भारत की दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम भी है। खादी हमारे स्वाभिमान और आत्म निर्भरता का प्रतीक है। आइए स्वदेशी अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। उन्होंने आश्रम में आए युवा पर्यटकों से भी बातचीत कर अनुभव साझा किए।

सिंगरौली में नगर निगम और जिला प्रशासन की कार्रवाई

बैढ़न ट्रामा सेंटर के मुख्य गेट से हटाया गया अतिक्रमण, दुकानदारों को दी गई नई जगह

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बैढ़न स्थित ट्रामा सेंटर के मुख्य द्वार और आसपास के क्षेत्रों में हुए अतिक्रमण को आज सुबह नगर निगम और जिला प्रशासन ने मिलकर हटा दिया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा।

अतिक्रमण की वजह से अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी हो रही थी। मुख्य गेट पर जाम लगने के कारण कई बार एंबुलेंस भी फंस जाती थी, जिससे मरीजों की जान को खतरा हो सकता था। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया।

नगर निगम कमिश्नर डीके शर्मा ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए पहले ही दुकानदारों को सूचित किया गया था। आज सुबह 8 बजे मुख्य गेट से दुकानदारों को हटाया गया और उनके लिए अस्पताल के पास एक चिन्हित स्थान पर नई जगह उपलब्ध कराई गई।

सुविधा के लिए बदलाव: दुकानदारों को असुविधा न हो, इसके लिए सड़क के डिवाइडर को आंशिक रूप से तोड़ दिया गया। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों और उनके परिजनों को आवश्यक वस्तुएं खरीदने में कोई दिक्कत न हो। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि अब किसी भी हाल में अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन दुकानदारों को स्थानांतरित किया गया है, उन्हें सख्त हिदायत दी गई है कि वे दुबारा वहां कब्जा न करें।

अधिकारियों की उपस्थिति: इस कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सविता यादव, बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार, निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह, नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे। वहीं अतिक्रमण हटाने की मांग काफी समय से की जा रही थी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया था। आज की कार्रवाई से मरीजों और एंबुलेंस को ट्रामा सेंटर के भीतर पहुंचने में सुविधा होगी।

सीधी में चौतरफा बिछेगा फोरलेन सड़कों का जाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से विगत दिनों मिलकर प्रयागराज से सीधी, सीधी से ब्यौहारी, सीधी से टिकरी. निवास, सीधी से सिंगरौली, मोहनिया टनल से सीधी की सड़कों को 4 लेन करने की मांग की थी। भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने पत्र लिखकर सांसद डॉ राजेश मिश्रा को बताया है कि उक्त सभी मांगों पर प्राथमिकता से विचार करते हुए सर्वे कार्य के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सर्वे रिपोर्ट आने के पश्चात सभी सड़कों को फोर लेन करने का कार्य किया जाएगा। सीधी सिंगरौली सड़क फोर लेन का कार्य तीव्र गति से चालू है। सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी के प्रति सीधी की जनता की ओर से आभार ज्ञापित करते हुए अभिनंदन किया है और आशा व्यक्ति की है कि अति शीघ्र सीधी जिले की चारों ओर की सीमाओं को फोरलेन की चकाचक सड़कों से जोड़ दिया जाएगा।

प्रदेश स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में एकलव्य के छात्रों का चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। एकलव्य पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूलए हड़बड़ो के डायरेक्टर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि विगत दिनों रीवा में बाल रंग प्रतियोगिता का विभिन्न विधाओं के लिए संभाग स्तरीय आयोजन हुआ, जिसमें विद्यालय की छात्राओं में कोमल मिश्रा, कंचन विश्वकर्मा, संध्या सिंह, आशी मिश्रा एवं रैना सिंह का चयन सामूहिक लोकगीत में अंश सिंह, किशन तिवारी का चयन प्रश्न मंच में एवं पूजा सिंह का चयन सुलेख में राज्य स्तर के लिए किया गया। अब यह बच्चे राजधानी भोपाल में अपने कला का प्रदर्शन दिखाएंगे। छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के संचालक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, नीतू सिंह, संरक्षक शीलध्वज सिंह, प्रबंधक विनोद सिंह, श्यामलाल शर्मा, प्राचार्य स्वेता सिंह, राजेंद्र द्विवेदी, वरिष्ठ शिक्षक मनीता सिंह, प्रीति शुक्ला, मनोज खरे, संजय पाण्डेय, सचिन सिंह एवं समस्त विद्यालयीन परिवार एवं अभिभावकों द्वारा छात्र.छात्राओं को शुभकामनायें देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

प्रधान आरक्षक एवं अन्य दोषियों पर एफआईआर कराने भेजा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सत्र न्यायालय एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण संजीव कुमार पाण्डेय के न्यायालय में लंबित क्लेम प्रकरण क्र. 269/2023 एवं 270/2023 में यह निष्कर्ष प्राप्त किया कि घटना मृतक विनोद कुमार यादव के द्वारा मोटरसाईकल को उपेक्षा एवं उतावलेपन से चलाने एवं मोटरसाइकल के स्पीड ब्रेकर में टकराने के फलस्वरूप घटित हुयी थी। जिसमें अंजनी कुमार यादव एवं विनोद कुमार यादव की मृत्यु हो गई थी तथा राजकुमार यादव घायल हो गया था। किंतु थाना जमोड़ी में पदस्थ प्रधान आरक्षक मोतीलाल सिंह ने दुर्घटना में मृत अंजनी कुमार यादव के सगे भाई राजकुमार यादव एवं उनके परिवार के ही सदस्य वाहन चालक चित्रसेन यादव, वाहन स्वामी चन्द्रभान यादव के साथ षडयंत्र करके वास्तविक दुर्घटना के तथ्य को छिपाते हुए फर्जी क्लेम राशि दिलाने के दुराशय से अनावेदक चन्द्रभान यादव के स्वामित्व के वाहन को दुर्घटना में फर्जी रूप से आलिप्त कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया।

प्रधान आरक्षक मोतीलाल सिंह ने मृतकगण के परिवार के साथ षड्यंत्र करके मृतक के आश्रितगण को क्लेम राशि दिलाने के दुराशय से प्रकरण की झूठी विवेचना करते हुए अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। इस हेतु सत्र न्यायाधीश एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण सीधी ने प्रधान आरक्षक मोतीलाल सिंह के विरूद्ध नियमानुसार विभागीय जांच करने एवं अन्य दोषीगण के विरूद्ध एफआई.आर. कराने हेतु पुलिस अधीक्षक जिला सीधी को पत्र प्रेषित किया है और इसकी प्रतिलिपि अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन को प्रेषित की गई है।

शहडोल में यातायात आरक्षक से लूटपाट और मारपीट का मामला, फरार तीन आरोपियों पर 40,000 का इनाम घोषित

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के अमलाई थाना क्षेत्र में 20 नवंबर को यातायात पुलिस आरक्षक के साथ लूटपाट और मारपीट के मामले में शामिल तीन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था, जिसके कब्जे से लूटे गए दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। हालांकि, वायरलेस सेट अब तक बरामद नहीं हो सका है। फरार तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 40,000 रुपए का इनाम घोषित किया है।

घटना का विवरण: 20 नवंबर को बटूरा गांव (अमलाई थाना क्षेत्र) में अनूपपुर में पदस्थ यातायात आरक्षक सुखसेन कोल के साथ लूट और मारपीट की घटना घटी थी। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रोशन वासुदेव नामक एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में रोशन ने अपने तीन साथियों के नाम बताए, जो घटना के बाद से फरार हैं।

चार जिलों में छापेमारी: फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस ने कटनी, अनूपपुर, शहडोल, और उमरिया जिलों में विशेष छापेमारी की। इसके लिए दो विशेष टीमों का गठन किया गया है, लेकिन अब तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।

वायरलेस सेट की तलाश जारी: गिरफ्तार आरोपी रोशन वासुदेव ने बताया कि लूटे गए वायरलेस सेट को पास के तालाब में फेंक दिया गया था। पुलिस ने एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीम के साथ तालाब में दो दिनों तक सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन पानी अधिक होने के कारण वायरलेस सेट नहीं मिल सका।

पानी कम होने पर फिर होगी सर्चिंग: अमलाई थाना प्रभारी जेपी शर्मा ने बताया कि पानी का स्तर कम होने के बाद तालाब में दोबारा तलाश की जाएगी। सर्चिंग अभियान जारी रहेगा और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

कलेक्टर तथा एसपी ने किया खाद वितरण केन्द्र का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. रवीन्द्र वर्मा द्वारा खाद वितरण केन्द्र हड़बड़ो का आकस्मिक निरीक्षण कर खाद वितरण की व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उन्होने किसान भाइयों से चर्चा कर खाद वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने कहा कि जिले में खाद का पर्याप्त भण्डारण है तथा निरंतर आपूर्ति भी जारी है। किसान भाई आवश्यकतानुसार खाद प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि खाद वितरण के संबंध में प्राप्त हो रही शिकायतों के दृष्टिगत सभी एसडीएम के नेतृत्व में जांच दलों का गठन किया गया है। जो खाद वितरण केन्द्रों की कड़ी निगरानी रखना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने समस्त खाद वितरण केन्द्र प्रभारियों को निर्देशित किया है कि खाद वितरण का कार्य व्यवस्थित ढंग से संपादित करें। किसानों को सभी जानकारियां समय से उपलब्ध कराये तथा खाद का वितरण सहज ढंग से सुनिश्चित करायें। यह ध्यान रखें कि किसान भाइयों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। खाद वितरण में अनियमितता या कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधित विर`ताओं के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण योजना प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. शासन में सहकारिता विभाग के माध्यम से यह व्यवस्था है कि सहकारी समितियों से जो किसान फसल उत्पादन हेतु ऋण लेगे उन्हे देय दिनांक तक ऋण पर ब्याज नहीं देना होगा अर्थात शून्य प्रतिशत पर फसल ऋण प्राप्त करने की सूविधा उपलब्ध है। ऐसे किसान जो समितियों के सदस्य नहीं है और सदस्य रहते कालातीत बकायादर होने के कारण खाद/नगद ऋण लेने हेतु अपात्र हो गये हैं और शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण योजना से वंचित हो रहे है, उनसे अपील है कि वह अपना कालातीत कर्ज अविलम्ब सम्बंधित समिति/शाखा में जमा कराये और नया ऋण/केसीसी प्राप्त कर शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण की सुविधा का लाभ ले सकते है। उक्त लाभ से वंचित किसान सम्बंधित समिति व सहकारी बैंक शाखा से आवश्यक दस्तावेजी सहयोग देते हुए प्रि`या अनुरूप केसीसी प्राप्त करें। जिले में जानकारी के अभाव में किसानों की भीड़ निजी एवं नगद वितरण केन्द्रों पर बढ़ना प्रतीत हो रही है, जिससे समस्याएँ बढ़ रही है। इसके समाधान के लिये किसानों को सहकारी समितियों के खाद ऋण रूप में प्राप्त करना आसान/लाभकारी होगा।

संजय टाइगर रिजर्व में फ्रेंडली हो रहे बाघ, टूरिस्ट के सामने आ गई टाइगर फैमिली, वीडियो हुआ वायरल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय टाइगर रिजर्व का टाइगर फैमिली का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक पूरी टाइगर फैमिली नजर आ रही है। इसमें बाघ-बाघिन और उनके शावक भी शामिल हैं। वीडियो बुधवार सुबह का बताया जा रहा है।

वीडियो में नजर आ रहा है कि पर्यटकों की तीन गाड़ियां खड़ी हुई है। तभी गुर्राने की आवाज आती है। थोड़ी देर बाद सामने से अचानक एक नहीं दो नहीं बल्कि पांच बाघ एक-एक करके गुजर रहे हैं। इसके अलावा उनके साथ दो सावक भी नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये बाघ टी 18,टी 17 और टी 28 और उनके साथ दो सावक हैं।

राज्य परियोजना प्रबंधक ने किया लखपति दीदियों से संवाद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य परियोजना प्रबंधक-कौशल श्री धीरेन्द्र सिंह द्वारा सोमवार दिनांक 25-11-2024 को जिले के भ्रमण के दौरान रामपुर नैकिन विकासखंड की संभावित लखपति दीदियों से संवाद किया गया। कार्यर` म में श्री सिंह द्वारा दीदियों के अनुभवों को सुनने के साथ अनेक आयामों पर विस्तृत चर्चा कर सभी को आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति हेतु मिशन के माध्यम से समन्वित प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक सीधी श्री पुष्पेंद्र कुमार सिंह एवं विकासखंड टीम उपस्थित रही।

पुलिस द्वारा विवाह घर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र संचालकों की ली गई बैठक

निर्धारित नियमों एवं शर्तो के अनुसार बजाने की समझाईश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में जिला अंतर्गत ध्वनि विस्तारक यंत्र संचालक एवं मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं मैरिज गार्डन संचालकों को उच्चतम न्यायालय एवं शासन के द्वारा तय डेसिमल के आधार पर ही ध्वनि विस्तारक यंत्रो से ध्वनि उत्पन्न की जाए एवं रात्रि 10 बजे के बाद और बिना परमिशन के किसी भी कार्यर` म में ध्वनि विस्तारक यंत्र ना बजाए जाने के निर्देश दिये गये। विवाहघर संचलाको को निर्देशित किया गया कि किसी भी कार्यर` म की बुकिंग करते समय आयोजक से उक्त नियम शर्तो के पालन संबधी दस्तावेज प्राप्त करने के बाद ही बुकिंग कंफर्म करें साथ ही विवाहघर संचालको द्वारा कार्यर` म के दौरान बेततीब तरीके से वाहन न खड़ा करने एवं उचित पार्किग व्यवस्था करने की समझाइश दी गई। ध्वनि विस्तारक यंत्र संचालकों एवं गार्डन संचालकों के द्वारा नियम का पालन न किए जाने पर ध्वनि विस्तारक यंत्र जप्त कर मध्य प्रदेश कोलाहल अधिनियम, मध्य प्रदेश म्यूजिक एवं ध्वनि प्रदूषण अधिनियम एवं अन्य समुचित अधिनियमों के तहत कार्यवाही की चेतावनी दी गई। बैठक में उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती गायत्री तिवारी, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक रीता त्रिपाठी, थाना प्रभारी जमोडी उनि. विशाल शर्मा सहित जिलें के विवाहघर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र संचालक उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म. प्र.)

क्रमांक 4244/राजस्व/न.पा.नि./2024 — रीवा, दिनांक 26/11/2024

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अचल सम्पत्ति के नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं। उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस के अवधि में इस कार्यालय के नामांतरण शाखा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समय अवधि पश्चात् कोई आपत्ति ग्रहण नहीं की जावेगी। तत्पश्चात् नामांतरण की विधिवत् कार्यवाही की जावेगी।

क्र.	प्रकरण क्रमांक	वार्ड/भवन क्रमांक (भवन की स्थिति)	इन्द्राजी का नाम	नामांतरण ग्रहिता	नामांतरण का आधार
1	349	44/652 ईडब्ल्यूएस 410 एवं 44/653 ईडब्ल्यूएस 411 (हाउसिंग बोर्ड कालोनी चिरहुला, जिला — रीवा म0प्र0)	श्री विष्णु नारायण सोनी पिता श्री लक्ष्मी नारायण सोनी एवं श्री लक्ष्मी नारायण सोनी पिता श्री सूरजदीन सोनी	श्रीमती निशा सोनी पति श्री नंदकिशोर सोनी	वारिसाना
2	325	25/432 (बाणसागर कालोनी जिला — रीवा म0प्र0)	श्री राम अवतार सोंधिया पिता श्री बैजनाथ सोंधिया	माधुरी शुक्ला पिता श्री महेन्द्र प्रसाद शुक्ला	क्रय—विक्रय
3	341	26/824/22 (पोखरी टोला मौजा समान, जिला — रीवा म0प्र0)	श्री सूर्यभान कुशवाहा पिता श्री बुद्धसेन कुशवाहा	श्रीमती सरोज द्विवेदी पति श्री कृपा शंकर द्विवेदी	क्रय—विक्रय
4	323	10/664/122 (शिल्पी ट्यूलिप फ्लैट ए 307, अनंतपुर, जिला — रीवा म0प्र0)	स्व0 श्री के.एल. श्रीवास्तव पिता स्व0 श्री दमोदर प्रसाद श्रीवास्तव	श्रीमती शारदा श्रीवास्तव पति स्व0 श्री के.एल. श्रीवास्तव	वारिसाना
5	342	13/1009 (मौजा—समान, नेहरू नगर, जिला — रीवा म0प्र0)	श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा पति श्री आर.एन. शर्मा	श्रीमती श्वेता द्विवेदी पति श्री आलोक द्विवेदी	क्रय—विक्रय
6	315	16/189/4 (रमागोविन्द पैलेस, सिरमौर चौक, जिला — रीवा म0प्र0)	श्री अनुभव सिंह पिता श्री अजीत सिंह	श्री शेर मोहम्मद पिता श्री फैज मोहम्मद	क्रय—विक्रय
7	312	37/191 (उपरहटी, जिला — रीवा म0प्र0)	श्री हीरालाल कहार पिता श्री गयादीन कहार	श्री सतीश वर्मा पिता स्व0 श्री हीरालाल वर्मा	वारिसाना
8	316	20/374 (फोर्ट रोड, जिला — रीवा म0प्र0)	श्री किशोर कुमार पुरवार पिता श्री लालमणि पुरवार	श्री कपिल पुरवार पिता स्व0 श्री किशोर पुरवार	वारिसाना
9	317	20/298/1 (फोर्ट रोड, जिला — रीवा म0प्र0)	स्व0 श्री किशोर पुरवार पिता श्री लालमणि पुरवार	श्री कपिल पुरवार पिता स्व0 श्री किशोर पुरवार	वारिसाना
10	343	08/505 (बोदाबाग, जिला — रीवा म0प्र0)	श्री वीरेन्द्र सिंह पिता श्री जागेश्वर सिंह	श्री हरिशरण शर्मा पिता श्री कौशल प्रसाद शर्मा	क्रय—विक्रय
11	319	08/586 (बोदाबाग, जिला — रीवा म0प्र0)	श्री मुन्नीधर दुबे पिता श्री कन्हैयालाल दुबे	श्रीमती कल्पना द्विवेदी पति श्री काशीधर द्विवेदी	क्रय—विक्रय
12	322	17/1147/ए—2 (शिल्पी विष्णु अपार्टमेंट, जिला — रीवा म0प्र0)	श्री अशोक कुमार सोनी पिता श्री मुकुटधारी सोनी	श्री दिनेश चन्द्र गुप्ता पिता श्री माता प्रसाद गुप्ता	क्रय—विक्रय

उपायुक्त (राजस्व)
हेतु आयुक्त
नगर पालिक निगम रीवा,(म.प्र.)

विचार

आदिवासियों–महिलाओं ने लगायी नैया पार

झारखंड विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की ओर से सबसे ज्यादा जेएमएम ने कुल 34 सीटें जीती। वहीं, कांग्रेस ने 16, राजद ने 4 और सीपीआई (एमएलएल) ने 2 सीटें जीती। यानी कुल मिलाकर इंडिया गठबंधन ने राज्य की कुल 81 में से 56 सीटें प्राप्त कर अपनी सरकार बचा ली है। दूसरी ओर एनडीए गठबंधन से भाजपा ने 21, आजसू, जेडीयू और लोजपा रामविलास ने एक-एक सीटें जीतीं। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के भीतर कुछ नए और पुराने नेताओं को लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि किसे नेतृत्व सौंपा जाए नए, तेज-तर्रार और युवा नेता को अथवा पुराने, स्थापित और मंझे हुए नेता को। ऐसा बताया जाता है कि पार्टी के भीतर मतभेद-मनभेद रहने के कारण इस बात पर एक राय नहीं बन पाई कि झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले उसकी ओर से किस नेता को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रस्तुत किया जाए। यही कारण है कि बड़ी संख्या में राज्य की गैर-आदिवासी जनता ने भी साथ नहीं दिया, जबकि भाजपा ने राज्य में चुनाव प्रचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से लेकर तमाम स्टार प्रचारकों ने कमान संभाल रखी थी। यहां तक कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा राज्य में दो महीने तक जमे रहे, जिन्होंने बांग्लादेश से 'घुसपैठियों' को आने देने के लिए सोरेन सरकार पर जोरदार हमले किए। गौरतलब है कि भाजपा ने अपनी रैलियों में झारखंड की 'माटी, बेटी और रोटी' का मुद्दा उठाया। इस मामले में भाजपा के नेताओं ने हेमंत सोरेन की सरकार पर आरोप लगाए कि राज्य में 'माटी, बेटी और रोटी' खतरे में हैं। इन सबके बीच झारखंड में भावी मुख्यमंत्री के तौर पर भाजपा के भीतर ऐसे प्रभावशाली चेहरे का अभाव रहा, जो जनता को प्रभावित कर अपनी ओर आकर्षित कर सके। जिस प्रकार उश्त्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी को विजयी बनाने की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी है और चुनाव-दर-चुनाव सफलता की सीढ़ियां चढ़ते चले जा रहे हैं। जिस प्रकार हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पार्टी के लिए एक जिम्मेदार चेहरा हैं, वैसे ही चुनाव से पहले झारखंड में भी पार्टी को एक जिम्मेदार चेहरा नहीं मिला। दूसरी ओर विपक्ष की ओर से पहले ही दिन से यह बिल्कुल साफ कर दिया गया था कि यदि इंडिया गठबंधन ने चुनाव जीता तो उनकी ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा हेमंत सोरेन ही होंगे। हालांकि, भाजपा के भीतर कई नेता हैं जो हेमंत सोरेन को कड़ी टक्कर देने में सक्षम हैं। यहां तक कि कुछ नेता तो उनसे बेहतर परफॉरमेंस करने की क्षमता और कौशल भी रखते हैं, लेकिन पार्टी की ओर से उन्हें आगे नहीं करने के कारण मतदाताओं के बीच इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहार साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है।

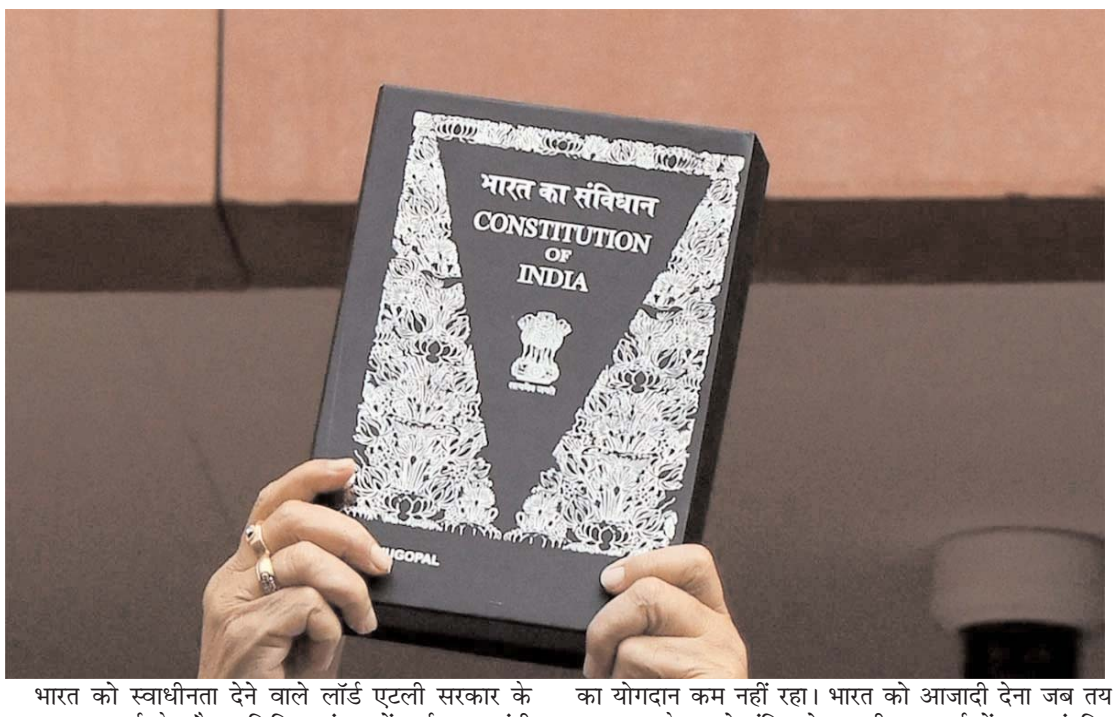

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था।

इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निर्माता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया।

29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है। भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है।

चाहे अच्छाई का संदर्भ हो या कमजोरी का, पूरी तरह अच्छा या बुरा होने का विचार हकीकत नहीं हो सकता। तर्कशास्त्र, दर्शन शास्त्र और अध्यात्म, तीनों की मान्यता है कि पूर्णता का प्रतीक सिर्फ ईश्वर होता है, विचार या व्यक्ति नहीं। कुछ इसी अंदाज में भारतीय संविधान भी कुछ भारतीय विषयों को सही तरीके से चूक गया है। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन संविधानसभा के सदस्य महावीर त्यागी ने सवाल पूछा था, 'अपने संविधान में कहां हैं गांधी जी, कहां है गांधी के विचार।' बेशक तब तक गांधी की हत्या हो चुकी थी, लेकिन गांधी के विचारों की तासीर तब तक आज की तुलना में कहीं ज्यादा महसूस की जा रही थी। भारतीय आजादी हर भारतीय के संघर्ष का नतीजा है, लेकिन गांधी की अगुआई, उनकी वैचारिक रोशनी और रचनात्मक कार्यों के बिना आजादी की कल्पना भी बेमानी है। दिलचस्प यह है कि संविधान में महावीर त्यागी को गांधी के इन रूपों के दर्शन नहीं हो पाए। दरअसल गांधी भारतीय संविधान में देश की मूल इकाई गांव को बनाना चाहते थे, व्यक्ति को नहीं। भारतीय परंपरा में व्यक्ति की महत्ता तो है, लेकिन वह सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति की सामाजिकता का बेहतर रूप ग्रामीण समाज है। लेकिन गांधी के इस विचार को नेहरू ने ही नहीं, अंबेडकर ने भी नकार दिया। नकारने को लेकर दोनों के शब्द बेशक अलग थे, लेकिन उनका बोध एक ही था। दोनों का मानना था कि सदियों से बजबजा रहे गांव भारतीय लोकतंत्र को राह नहीं दिखा सकते।

संविधान सभा में कई मुद्दों पर सदस्यों के बीच तीखी बहसें हुईं। आज जिसे हम लोकशाही या नौकरशाही कहते हैं, उसके अधिकारों को लेकर भी तीखी बहस हुई। दिलचस्प यह है कि संविधान सभा के कई सदस्यों को ब्यूरोक्रेसी को संवैधानिक अधिकार संपन्न बनाने पर एतराज था। उनका मानना था कि वे वैसा ही काम करेगी, जैसा अंग्रेजी सरकार के दौरान करती थी। एम ए अयंगार जैसे वरिष्ठ और माननीय सवाल ने नौकरशाही को वेतन और अधिकार की गारंटी देने पर सवाल उठाते हुए पूछा था था कि जब आम आदमी को रोटी और कपड़ा की गारंटी नहीं है, तो उन अधिकारियों को गारंटी क्यों दी जाए, जो विदेशी सत्ता की कठपुतली थी। तब पटेल ने अधिकारियों को ताकत देने का बचाव करते हुए तर्क दिया था कि एक बार अफसरशाही स्थापित हो जाएगी तो अधिकारी बदलाव के लिए राजी हो जाएंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या अधिकारी बदलाव को राजी हुए, क्या वे लोकोन्मुख हुए, क्या उनका व्यवहार पुराने जमींदारों, रजवाड़ों या अंग्रेजों जैसा नहीं है? अपवादों को छोड़ दें तो कितने अधिकारी ऐसे हैं, जो खुद को आम लोगों जैसा मानते हैं और विशेषाधिकार नहीं चाहते ?

भारत की भाषा समस्या का समुचित समाधान संविधान में नहीं दिखता। देसी होकर भी हिंदी अब भी दक्षिण और पूर्व के कुछ राज्यों के लिए स्वीकार्य नहीं बन पाई है और विदेशी अंग्रेजी इस देश की असल ताकतवर और राजभाषा बनी हुई है। हिंदी की जगह भारतीय भाषाओं की बात करने से हिंदी विरोध की आंच धीमी तो हो जाती है, लेकिन अंग्रेजी की ताकत नहीं घटती। अंबेडकर चाहते थे कि संस्कृत राजभाषा हो, लेकिन नेहरू के दबदबे के चलते अपनी राय को मजबूती से रख नहीं पाए।

सोचिए, अगर भारत में व्यक्ति की जगह गांवों को राज्य की इकाई माना गया होता तो क्या होता? संवैधानिक उपबंधों के चलते गांव हमारे विकास प्रक्रिया और शासन की इकाई होते। तब आज का भारतीय परिदृश्य बदला हुआ होता। भारतीयता की सोंधी गमक के साथ अंदरूनी पलायन और बेरोजगारी जैसी समस्याएं काबू में रहतीं। अधिसंख्य जनसंख्या गांवों में ही रहती। शहरीकरण तेज नहीं होता और जनसांख्यिकी दबाव से शहरी ढांचा चरमरा नहीं रहा होता। इसी तरह अगर अफसरशाही को संवैधानिक गारंटी नहीं मिली होती तो बराबरी का भाव कहीं ज्यादा होता, तब अफसरशाही माने भ्रष्टाचार नहीं होता, तब हर रोग की जड़ी और इलाज अफसरशाही को ही नहीं माना जाता।

कनाडा एवं अमेरिका से भारत में रिवर्स ब्रेन ड्रेन की सम्भावना बढ़ रही है

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर लगातार कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित होती दिखाई दे रही हैं, जिससे विशेष रूप से कनाडा एवं अमेरिका से भारत की ओर रिवर्स ब्रेन ड्रेन की सम्भावना बढ़ती जा रही है। कनाडा में खालिस्तानियों द्वारा चलाए जा रहे भारत विरोधी आंदोलन के चलते वहां निवासरत भारतीयों एवं मंदिरों पर लगातार हमले हो रहे हैं एवं भारतीयों एवं मंदिरों पर हो रहे इन हमलों पर लगाम लगाने में कनाडा की वर्तमान सरकार असफल सिद्ध हो रही है एवं इन हमलों को, राजनैतिक कारणों के चलते, रोकने की इच्छा शक्ति का अभाव भी दिखाई दे रहा है। इसके चलते भारत एवं कनाडा के राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक रिश्तों पर अत्यधिक विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। स्थिति तो यहां तक पहुंच गई है कि भारत ने कनाडा में अपने दूतावास में प्रतिनिधियों की संख्या को कम कर दिया है तथा भारत ने कनाडा को निर्देशित किया था कि वह भी भारत में अपने दूतावास में प्रतिनिधियों की संख्या को कम करे। भारत एवं कनाडा के बीच आज कूटनीतिक रिश्ते आज तक के सबसे निचले स्तर पर आ गए हैं। साथ ही, कनाडा में आज सुरक्षा की दृष्टि से भी स्थितियां तेजी से बदल रही हैं तथा इसका कनाडा के आर्थिक विकास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। जिसके चलते भारतीय आज कनाडा में अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और भारत की ओर रूख कर रहे हैं।

दूसरी ओर, अमेरिका में डोनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के पश्चात वहां पर अवैध रूप से रह रहे अन्य देशों के नागरिकों को अमेरिका से निकाले जाने की सम्भावनाएं बढ़ गई हैं। हालांकि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों की संख्या लगभग नगण्य सी ही है परंतु ट्रम्प प्रशासन द्वारा अब वीजा, एच1बी सहित, जारी करने वाले नियमों को और अधिक कठोर बनाया जा सकता है। अमेरिका में प्रतिवर्ष जारी किए जाने वाले कुल एच1बी वीजा में से 60 प्रतिशत से अधिक वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। यदि इस संख्या में भारी कमी दृष्टिगोचर होती है तो अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को, उनकी पढ़ाई सम्पन्न करने के पश्चात यदि एच1बी वीजा जारी नहीं होता है तो उन्हें भारत वापिस आने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस प्रकार अमेरिका से भी भारतीयों का रिवर्स ब्रेन ड्रेन दिखाई पड़ सकता है। भारत आज पूरे विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है, अत: भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास के कारण सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, उच्च तकनीकी क्षेत्रों, वाहन विनिर्माण उद्योग, फार्मा उद्योग, चिप विनिर्माण उद्योग, स्टार्ट अप, आदि क्षेत्रों में भारी मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं और भारत को इन क्षेत्रों में उच्च टेलेंट की आवश्यकता भी है। यदि कनाडा एवं अमेरिका से उच्च शिक्षा प्राप्त एवं उक्त क्षेत्रों में प्रशिक्षित इंजीनीयर्स भारत को प्राप्त होते हैं तो यह स्थिति भारत के लिए बहुत फायदेमंद होने जा रही है।

उक्त कारणों के अतिरिक्त आज अन्य देशों से भारत की ओर रिवर्स ब्रेन ड्रेन इसलिए भी होता दिखाई दे रहा है क्योंकि, भारत में आज मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। किसी भी दृष्टि से भारत का आधारभूत ढांचा आज किसी भी विकसित देश की तुलना में कम नहीं है। साथ ही,

भारत में, विकसित देशों की तुलना में, मुद्रा स्फीति की दर कम होने से, सामान्य रहन सहन की लागत तुलनात्मक रूप से भारत में बहुत कम है। अत: भारत में अमेरिका एवं कनाडा की तुलना में शुद्ध बचत दर भी अधिक है। हाल ही के समय में भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में भी पर्याप्त सुधार हुआ है। आज बैंगलोर, मुंबई, हैदराबाद जैसे शहरों में बहुत ही कम लागत पर अमेरिकी अस्पतालों की तुलना में (अमेरिका की तुलना में तो 1/10 लागत पर) अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। भारत के ग्रामीण इलाकों में तो शुद्ध हवा एवं शुद्ध पानी, जो स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में सहायक होता है, पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। वरना, महानगरीय इलाकों में तो आज सांस लेना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। विभिन्न देशों से उच्च शिक्षा प्राप्त एवं टेलेंटेड भारतीय जो भारत वापिस लौटे हैं, उन्होंने अपने नए प्रारम्भ किए गए स्टार्ट अप के कार्यालय दक्षिण भारत के ग्रामीण इलाकों में स्थापित किए हैं।

भारत में बहुत लम्बे समय से मजबूत लोकतंत्र बना हुआ है एवं केंद्र में एक मजबूत सरकार, उद्योग एवं व्यापार को भारत में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उद्योग एवं व्यापार के मित्रवत आर्थिक नीतियों को सफलतापूर्वक लागू कर रही है। इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा में अपार वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। विकसित देशों में नागरिकों की औसत आयु 50 वर्ष से अधिक हो रही है जिससे श्रमिकों की संख्या इन देशों में लगातार कम हो रही है एवं श्रम लागत में भी भारी मात्रा में वृद्धि हुई है जिसके कारण इन देशों में उत्पादन लागत बहुत अधिक बढ़ गई है। हाल ही के समय में चीन भी इस समस्या से ग्रसित पाया जा रहा है। केवल भारत एवं दक्षिणी अफ्रीकी देशों में ही श्रम लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम है। इसके कारण विश्व की कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भारत में करना चाहते हैं। भारत में उत्पादों का निर्माण कर इन उत्पादों को विश्व के अन्य देशों को निर्यात किया जा रहा है।

भारत में आटोमोबाईल उद्योग, मोबाइल उद्योग एवं फार्मा उद्योग इसके जीते जागते प्रमाण हैं। इन्हीं कारणों से आज भारत से कई उत्पादों का निर्यात बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है एवं भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार कम हो रहा है। विदेशी व्यापार घाटे में सुधार होने के चलते भारत में विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो हाल ही के समय में 70,000 अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को भी पार कर गया था। हालांकि, इसके बाद से इसमें कुछ गिरावट देखी गई है। आज विश्व के कई विकसित देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो गया है एवं इन देशों के नागरिकों में मानसिक असंतोष की भावना लगातार बढ़ रही है एवं इन देशों की आधे से अधिक आबादी आज मानसिक बीमारीयों से ग्रसित है। जबकि इसके ठीक विपरीत भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन से एवं संयुक्त परिवार की जीवनशैली के चलते भारतीय नागरिक मानसिक बीमारियों से लगभग पूर्णत: मुक्त रहे हैं एवं सुखी जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

रायपुर में शादी का झांसा देकर असिस्टेंट प्रोफेसर से रेप, फारेस्ट रेंजर ने होटल बुलाकर वारदात को दिया अंजाम, एक साल पहले हुई थी दोस्ती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में एक महिला से शादी का झांसा देकर रेप की वारदात को अंजाम दिया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी और पीड़िता एक दूसरे को बीते सालभर से जानते थे। आरोपी ने दोस्ती गहरी होने के बाद शादी करने का झांसा दिया। फिर होटल के कमरे में रेप की घटना को अंजाम दिया। इस मामले में महिला की शिकायत के बाद तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया में कांकेर के फारेस्ट रेंजर विजयंत तिवारी की महिला से दोस्ती हुई थी। महिला असिस्टेंट प्रोफेसर है। दोस्ती, प्यार में बदल गई। जिसके बाद आरोपी ने महिला से शादी का वादा किया। फिर उसने महिला को मिलने के लिए VIP रोड स्थित बेबीलोन होटल बुलाया। जहां पर महिला उससे मिलने के लिए आई।

पुलिस ने किया गिरफ्तार: इसी दौरान रेप की घटना का अंजाम दिया गया। इस घटना के बाद महिला ने जब उससे शादी करने की बात कही तो वह मुकर गया। जिसके बाद पूरा मामला तेलीबांधा पुलिस थाने पहुंचा। इस मामले में पुलिस ने आरोपी विजयंत तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई जारी है।

छत्तीसगढ़ में प्रिंसिपल, शिक्षक, रेंजर ने छात्रा से किया गैंगरेप

बोले- परीक्षा में पास करा देंगे, वीडियो बनाकर दी धमकी, सभी सस्पेंड, गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के MCB जिले में 11वीं की छात्रा से वहां के प्रिंसिपल, लेक्चरर, हेडमास्टर और डिप्टी रेंजर ने गैंगरेप किया। उसका वीडियो भी बना लिया। फिर ब्लैकमेल कर दोबारा सामूहिक दुष्कर्म किया। अब थाने में छात्रा की शिकायत के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, विभाग ने चारों आरोपियों को निलंबित कर दिया है। घटना जनकपुर थाना इलाके की है।

दिन का समय था। तारीख 13 नवंबर 2024 थी। जगह जनकपुर गांव। 17 साल की 11वीं की छात्रा एक दुकान में फोटो कॉपी कराने पहुंची। जहां हेडमास्टर (ष्टस्ष्ट) रावेन्द्र कुशवाहा (48) से उसकी मुलाकात हुई। दोनों के बीच कुछ बातचीत भी हुई। फिर छात्रा अपने किराए के रूम में चली गई। यहां रहकर वो पढ़ाई कर रही थी।

कार से दोस्त के घर ले जाकर किया दुष्कर्म: तीसरे दिन 15 नवंबर 2024, समय दोपहर 12 बजे। जगह वही जनकपुर गांव। छात्रा से हेडमास्टर रावेन्द्र दोबारा मिला। उसकी पढ़ाई में मदद करने और परीक्षा में पास करा देने की बात कही। शिक्षक रावेन्द्र ने उसे परीक्षा के बारे में बातचीत करने अपने साथ चलने को कहा। फिर अपनी कार में बैठाकर लेक्चरर कुशल सिंह परिहार (50) के जनकपुर स्थित घर ले गया। कुशल की पत्नी घर पर नहीं थी। वहां उसके दोस्त देवगढ़ हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रभारी प्रिंसिपल अशोक कुशवाहा (55) पहले से मौजूद थे।

अलग-अलग स्कूल के हैं टीचर और छात्रा: छात्रा जैसे ही घर के अंदर घुसी दरवाजा बंद कर लिया गया। फिर रावेन्द्र, कुशल और अशोक ने छात्रा से रेप किया। शिक्षकों ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया। किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी भी दी। सभी टीचर और छात्रा अलग-अलग स्कूल के हैं।

ब्लैकमेल कर दोबारा किया गैंगरेप: 22 नवंबर की शाम करीब 5 बजे पीड़ित छात्रा दुकान में सामान लेने जा रही थी, तब कुशल सिंह परिहार उसे बस स्टैंड के पास मिला। उसे धमकी देकर अपनी बाइक पर बैठाया और डिप्टी रेंजर बनवारी सिंह के घर ले गया, जहां बनवारी सिंह सहित उन्हीं दो शिक्षकों ने वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल किया, फिर दोबारा छात्रा से गैंगरेप किया। दूसरी बार छात्रा के साथ ऐसी घटना होने पर वो काफी सहम गई। घर जाकर उसने अपनी मां को पूरी आप-बीती बताई। इसके बाद पीड़िता अपनी मां के साथ 26 नवंबर को जनकपुर थाने पहुंची। चारों के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई।

चारों आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल: जनकपुर थाना प्रभारी दीपेश सैनी ने बताया कि, शिकायत सोमवार को मिली थी। एसपी चंद्रमोहन सिंह के निर्देश पर तत्काल उसी दिन मामले में कार्रवाई की गई है। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

नगर पालिका कर्मचारियों को सीधे विभाग से वेतन भुगतान हो

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (एजेंसी)। नगर पालिका के कर्मचारियों को सीधे विभाग से ही वेतन भुगतान किए जाने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ नगर पालिका प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के आंदोलन का समर्थन करते हुए पूर्व महापौर के. डोमरू रेड्डी ने आज नगर निगम कार्यालय में महापौर श्रीमती कंचन जायसवाल को ज्ञापन सौंपकर, कांग्रेस की ओर से कर्मचारियों के पक्ष में आवाज बुलन्द किया।

अपने ज्ञापन में पूर्व महापौर ने कहा है कि इसी राज्य के सरकार द्वारा जब पी.एच.ई., जल संसाधन, पी.डब्लू.डी. एवं वन विभाग द्वारा अपने विभागीय ठेका श्रमिकों को सीधे विभाग से मजदूरी का भुगतान करती है तो फिर नगर पालिका के कर्मचारियों के साथ ऐसा भेदभाव क्योंकि उन्हें ठेकेदार के मार्फत पारिश्रमिक दिया जाता है। इस सम्बंध में इन दिनों छत्तीसगढ़ नगर पालिका प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ द्वारा पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। श्री रेड्डी ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं के लिए दिन रात साफ - सफाई, बिजली - पानी जैसे मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु परिश्रम करने वाले ठेका मजदूरों के साथ यह छलावा उचित नहीं है, इसलिए हमें पूरे दमखम के साथ कर्मचारियों के साथ खड़े रहने की जरूरत है।

इस हेतु महापौर श्रीमती कंचन जायसवाल, सभापति श्रीमती गायत्री बिरहा और नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह को ज्ञापन सौंप कर श्री रेड्डी ने मांग की है कि नगर निगम में विशेष सम्मेलन आमंत्रित कर, इस आशय का प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजा जाना चाहिए, जिससे कि कर्मचारियों का भला हो सके और वे भी शासन के अन्य विभागों में कार्य करने वाले ठेका कर्मचारियों की ही तरह सीधे विभाग से ही वेतन प्राप्त कर सकें। महापौर श्रीमती कंचन जायसवाल ने आश्वस्थ किया है कि वे जल्द ही कर्मचारियों के हित में अपने महापौर परिषद में प्रस्ताव शामिल करते हुए, विशेष सम्मेलन आहूत करने के दिशा में अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित करेंगी। महापौर ने यह भी कहा कि कर्मचारी के हित मे वे स्वयं और उनकी पार्टी कांग्रेस सदैव खड़ी रही है और आगे भी पूरे ताकत के साथ हम सब एक साथ उनके हित मे लड़ाई लड़ेंगे।

छत्तीसगढ़ वक्फ-बोर्ड अध्यक्ष को धमकी...कहा- 6 इंच काट देंगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉक्टर सलीम राज को पाकिस्तान से फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने कहा कि तुमको 6 इंच छोटा कर (काट देंगे) देंगे। ऊपर गर्दन से छोटा होना है या नीचे से बता दो। इसके बाद डॉ. सलीम ने आजाद चौक थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

डॉक्टर सलीम का कहना है कि, वो ऐसे किसी भी धमकी से डरने वाले नहीं हैं। मैंने जो नियम बनाया, वो देशहित के लिए के लिए है। सलीम के मुताबिक मस्जिदों में जुमे की नमाज के बाद होने वाली तकरीर के लिए इजाजत वाले निर्देश के बाद धमकी मिली है। वहीं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सुरक्षा बढ़ाई जाएगी।

डॉक्टर सलीम राज ने बताया कि, वक्फ बोर्ड के मुतवल्ली को लेकर दिए फैसले के बाद ओवैसी और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने बयान जारी किया था, जिसके बाद से मुझे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और केरल से फोन आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम में साफ है कि तकरीर के दौरान राजनीतिक भाषण न हो, जिससे सामाजिक सौहार्द्र और वातावरण बना रहे। हमारे फैसले के बाद 154 मुतवल्ली ने टॉपिक भेजा था, जिसे हमने अप्रूव कर दिया है। वक्फ बोर्ड को अवगत नहीं कराएंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

इस मामले में गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि डॉ सलीम को धमकियां मिली हैं। अगर उन्हें धमकियां मिल रही हैं तो उनकी सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। उन्होंने पवित्रता और स्वच्छता की बात कही थी। विजय शर्मा ने कहा कि उन्होंने मदरसों और ऐसे धार्मिक स्थलों को शुद्ध करने का प्रयास किया है जहां राष्ट्र विरोधी गतिविधियां होती हैं, धार्मिक स्थल जहां धर्म के अलावा अन्य राजनीतिक गतिविधियां संचालित होती हैं। उन्होंने इसकी पवित्रता के लिए प्रयास किया है।

दरअसल, 17 नवंबर को छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सलीम राज ने मौखिक निर्देश में कहा था कि, छत्तीसगढ़ की मस्जिदों में जुमे की नमाज (शुक्रवार की नमाज) के बाद होने वाली तकरीर (बातचीत) के टॉपिक के लिए वक्फ बोर्ड की इजाजत लेनी होगी।

सलीम राज ने कहा था कि टॉपिक विवादित ना हो, इसलिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के सदस्यों ने यह फैसला लिया है। मुतवल्ली (मस्जिद की संपत्ति का प्रबंध करने वाला) इस नियम का पालन नहीं करेगा, उसके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाएगा।

6 हजार आरक्षक भर्ती पर रोक

हाईकोर्ट जस्टिस बोले- सिर्फ पुलिसकर्मियों के बच्चों को लाभ देना भेदभाव, फिजिकल में थी छूट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में आरक्षक संवर्ग 2023-24 के पदों पर होने वाली भर्तियों पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। पुलिसकर्मियों के बच्चों को फिजिकल में छूट मिली थी। इसके खिलाफ याचिका लगी थी। छत्तीसगढ़ में कॉन्स्टेबल के 5,967 पदों पर भर्ती निकली है। इसके लिए 16 नवंबर से भर्ती प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। सुनवाई के दौरान, जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने कहा कि, पुलिसकर्मियों को लाभ देने नियमों में बदलाव कैसे हो सकता है। लाभ सभी को मिलना चाहिए।

फिजिकल टेस्ट में थी छूट: दरअसल, विज्ञापन जारी होने और फॉर्म भरने के बाद ष्ठत्र पुलिस ने सचिव को पत्र लिखा। पत्र में नियुक्ति प्रक्रिया में पुलिस विभाग में कार्यरत और EX SERVICEMEN कर्मचारियों के बच्चों को छूट देने का जिक्र था। पत्र में सुझाव दिया गया कि, भर्ती नियम 2007 कंडिका 9(5) के तहत भर्ती प्रक्रिया के मापदंडों को शिथिल किया जा सकता है। इसमें फिजिकल टेस्ट के दौरान सीने की चौड़ाई और ऊंचाई जैसे कुल 9 पॉइंट्स शामिल थे। अवर सचिव ने इस सुझाव को स्वीकार भी कर लिया। इससे आहत होकर याचिकाकर्ता बेदराम टंडन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। याचिकाकर्ता के बेटे ने राजनांदगांव में कॉन्स्टेबल जनरल ड्यूटी के लिए आवेदन दिया है।

छूट देना आम नागरिकों में भेदभाव: इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि, केवल अपने विभाग के कर्मचारियों को छूट देना आम नागरिकों के साथ भेदभाव है। ऐसे में इस भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। मामले में वकील की ओर से पेश किए गए दलीलों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने भर्तियों पर रोक लगा दी है। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि, क्योंकि नियमों को शिथिल करने का लाभ सभी पदों पर मिलता, इसलिए सभी पदों पर होने वाली भर्ती पर रोक लगा दी गई है।

राज्य शासन के तर्क पर हाईकोर्ट की आपत्ति: राज्य शासन ने कहा कि, 2007 में नियम बनाया गया है कि पुलिसकर्मियों के परिवार के लोगों को भर्ती में छूट का प्रावधान है। इस पर हाईकोर्ट ने आपत्ति करते हुए कहा कि, नियम के तहत डीजीपी को अधिकार दिया गया है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि वो मनमाना छूट देंगे।

ऐसे रूल बनाना पद का दुरुपयोग: हाईकोर्ट ने कहा कि, छूट देने का नियम है इसका मतलब यह नहीं कि DGP कमेटी बनाकर ऐसा करे। नियम का लाभ सभी वर्ग के लोगों को मिलना चाहिए। ऐसा नहीं है कि SP और TI के बेटे-बेटियों को ही भर्ती में प्राथमिकता दी जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस अपने फायदे के लिए रूल बना लें, यह पद का दुरुपयोग है।

भरतपुर के कैसोड़ा एवं ग्राम रूसनी में 2000 बोरी अवैध धान जब्त

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (एजेंसी)। 19 नवम्बर 2024 को भरतपुर में एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई। जिसमें अनुविभागीय अधिकारी (रा.) के निर्देश पर तहसीलदार और खाद्य निरीक्षक की संयुक्त टीम ने ग्राम भगवानपुर स्थित अंकुर सिंह के गोदाम से 2000 बोरी धान जप्त की। प्रारंभ में बताया गया कि यह धान पिछले वर्ष की खेती की विक्रय के बाद की अतिशेष मात्रा है, लेकिन इसका विश्लेषण करने पर यह पाया गया कि यह धान नया है। जांच के दौरान पता चला कि यह धान मध्य प्रदेश से अवैध रूप से लाया गया था। आगे पूछताछ में यह सामने आया कि व्यापारी अंकुर सिंह ने ग्राम पंचायत कैसोड़ा और ग्राम रुसनी के किसानों से धान खरीदी थी।

इन किसानों को कमीशन का वादा किया गया था, लेकिन न तो उन्हें कमीशन दिया गया और न ही उनके बैंक खाते, पासबुक और एटीएम कार्ड लौटाए गए। इसके अलावा, यह धान अवैध रूप से इन किसानों के पंजीकरण का उपयोग करके बेचने की कोशिश की जा रही थी।

बिलासपुर में कोयला कारोबारी ने जहर खाकर दी जान, सुसाइड नोट में लिखा- कोयला कारोबारियों ने बर्बाद किया, 70 लाख के कर्ज का जिक्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। बिलासपुर जिले के बिल्हा विधायक और भाजपा नेता धरमलाल कौशिक का करीबी बताने वाले कोयला कारोबारी ने सरगांव में कार के अंदर जहर खाकर जान दे दी है। घटनास्थल से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें लिखा है कि कोयला कारोबारियों राजेश कोटवानी, देवेंद्र उपवेजा, सूरज प्रधान और संजय भट्ट ने बर्बाद कर दिया है। 70 लाख के कर्ज का भी जिक्र है। घटना सिरगिट्?टी थाना क्षेत्र की है। तिफरा के परसदा निवासी नरेंद्र कौशिक ट्रांसपोर्टर था। साथ ही वो कोयला डिपो भी चलाता था। मंगलवार को जहर खाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन आनन-फानन में उसे अपोलो अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान शाम करीब 5 बजे उसकी मौत हो गई।

पोलो अस्पताल प्रबंधन ने इस घटना की जानकारी सरकंडा थाने में नहीं दी थी। अस्पताल के मेमो रिपोर्ट मिलने पर देर रात 11 बजे पुलिस ने मर्ग कायम किया। आज (बुधवार) पुलिस शव का पंचनामा कर परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कराएगी।

बढ़ती ठंड के चलते स्कूलों का टाइम टेबल में हुआ बदलाव

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (एजेंसी)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग ने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पड़ रही अत्यधिक ठंड के कारण छात्रहित को ध्यान में रखते हुए 27 नवम्बर 2024 से जिले के समस्त शालाओं (शासकीय/अशासकीय/अनुदान प्राप्त शालाओं) के संचालन हेतु समय निर्धारित किया है। दो पाली में संचालित होने वाली शालाओं में प्रथम पाली सोमवार से शनिवार प्रातः 9 बजे से 12.30 बजे तक तथा द्वितीय पाली सोमवार से शनिवार अपराह्न 12.45 बजे से 4.15 बजे तक संचालित होगी। एक पाली में संचालित होने वाली शालाएं सोमवार से शनिवार प्रातः 10.30 बजे से 3.30 बजे तक संचालित होंगी। यह आदेश 31 जनवरी 2025 तक प्रभावशील रहेगा।

चुनाव की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (एजेंसी)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत और पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने बताया कि चुनाव संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला प्रभारी अशोक वाडेगावकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को दी गई है। जाबो कार्यक्रम, मतगणना और अन्य चुनावी व्यवस्थाओं के लिए नितेश उपाध्याय परियोजना निदेशक डीआरडीए को जिला प्रभारी बनाया गया है। नगरीय क्षेत्र के जाबो कार्यक्रम की जिम्मेदारी राम प्रसाद आचला नगर निगम कमिश्नर को सौंपी गई है। शिकायत सेल और नियंत्रण कक्ष के लिए शैलेश गुप्ता सहायक अभियंता को जिम्मेदारी दी गई है। निर्वाचन कर्तव्य, मतपत्र, मानव संसाधन, रिजर्व दल, सामग्री वितरण और वापसी, निर्वाचन सामग्री, प्रतिवेदन तथा प्रशिक्षण का प्रभार अजय मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया है।

आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का जिला प्रभार शुभम बंसल जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को दिया गया है। मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति और मीडिया संबंधी कार्यों के लिए लोकेश्वर सिंह जिला जनसंपर्क अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। परिवहन योजना एवं रूट चार्ट का प्रभार दयानंद तिग्गा जिला खनिज अधिकारी को सौंपा गया है। कार्मिक कल्याण कार्य के लिए रमेश सिन्हा उपसंचालक समाज कल्याण विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। मतपेटी का कार्य सुजीत श्रीवास्तव जिला प्रभारी क्रेडा विभाग को सौंपा गया है। मतपत्र मुद्रण, प्रूफ रीडिंग और निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग का दायित्व चंद्रशेखर सराफ जिला कोषालय अधिकारी को दिया गया है। प्रेक्षक के तौर पर नीरज अनुविभागीय अधिकारी वन को और चिकित्सा सहायता के लिए अविनाश खरे सीएमएचओ को जिम्मेदारी दी गई है।

कलेक्टर ने जानकारी दी कि जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में एक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तीन सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एक रिटर्निंग ऑफिसर और सात सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे। जनपद पंचायत खड़गवां में एक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, दो सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एक रिटर्निंग ऑफिसर और चार सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे। वहीं जनपद पंचायत भरतपुर में एक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, दो सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एक रिटर्निंग ऑफिसर और ग्यारह सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे। अन्य निर्वाचन व्यवस्थाओं के लिए पंचायत निर्वाचन क्षेत्र में 48 और नगरीय निकाय क्षेत्र में 25 रिजर्व सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। सेक्टर अधिकारी और मास्टर ट्रेनर के रूप में 20 अधिकारी नियुक्त होंगे। एमसीएमसी दल एक और एमसीसी दल छह गठित करने का निर्णय लिया गया है। सामग्री वितरण और वापसी दल के लिए त्रिस्तरीय पंचायत में 34 तथा नगरीय निकाय में 12 रिजर्व दल बनाए जाएंगे। निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग के लिए तीन दल और 12 डेटा एंट्री ऑपरेटर नियुक्त किए जाएंगे। कलेक्टर ने मतदान केंद्र, सहायक मतदान केंद्र, स्थाई और अस्थाई मतदान केंद्रों की पहचान के लिए निर्देश दिए हैं। मतदान केंद्रों के भवनों के स्वरूप, कच्चे और पक्के मकानों की स्थिति, संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी एकत्र करने को कहा गया है। स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष और मतगणना स्थल के संबंध में भी निर्देश दिए गए। मतदान केंद्रों पर रैंप, शौचालय और पेयजल की सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही नेटवर्क कवरेज की स्थिति की जानकारी भी प्रस्तुत करने को कहा गया। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों के तहत पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी और अन्य कर्मियों की नियुक्ति के निर्देश दिए गए। इस वर्ष 2024 में चिरमिरी नगर निगम, मनेंद्रगढ़ नगरपालिका परिषद, झगराखांड, नई लेदरी, खोंगापानी और जनकपुर नगर पंचायतों में चुनाव होंगे। इन सभी क्षेत्रों में चुनाव प्रक्रिया सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए । इस बैठक में उप निर्वाचन अधिकारी सी.एस. पैकरा, अपर कलेक्टर अनिल सिदार, सर्व एसडीएम, नगर निगम आयुक्त, सर्व जनपद सीईओ, नगर पंचायत सीएमओ सहित निर्वाचन से संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्लूकोमा मरीजों का किया जा रहा उपचार

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (एजेंसी)। जिले के विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत केराबहरा में एक ही परिवार के कई लोग वंशानुगत रूप से आंख की बीमारी ग्लूकोमा से ग्रसित है। उनके पुत्र एवं पुत्री या तीसरे पीढ़ी के लोगों में भी 18 वर्ष की आयु होते ही बीमारी के लक्षण दिखाई देने लगता है। जिसका परीक्षण समय-समय पर विभाग द्वारा किया गया व उच्च संस्थाओं ने ऑपरेशन भी कराया गया है। 1995 से लेकर 2022 तक कई लोगों का ऑपरेशन रायपुर, अंबिकापुर,बिलासपुर, चित्रकूट में हुआ है। अविभाजित कोरिया जिले के डॉ. आर.एस. सेंगर द्वारा 26 अप्रैल 2018 को केराबहरा जाकर 17 लोगों का परीक्षण किया गया। 07 जून 2021 को मेडिकल कॉलेज बिलासपुर के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. मनोज सिंह, डॉ. आर.एस. सेंगर व टीम द्वारा 29 लोगों का परीक्षण करके उपचार योग्य चयनित 06 लोगों का उपचार हेतु बिलासपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया व श्री संतोष का उपचार गणेश विनायक नेत्र चिकित्सालय रायपुर में 09 जून 2021 को हुआ। 30 अक्टूबर 2024 डॉ. जयन्त एक्का नेत्र विशेषज्ञ केन्द्रीय चिकित्सालय मनेन्द्रगढ़ द्वारा 20 लोगों का परीक्षण किया गया। प्रतिवेदन में 1 मरीज को तत्काल उपचार की आवश्यकता है। आंख का प्रेशर बढ़ा हुआ है व रेटिना डेमेज हो रहा है। शेष अन्य 5 मरीज को नियमित परीक्षण व उपचार की आवश्यकता है। वर्तमान में ग्लूकोमा के लक्षण नहीं है। 04 नवंबर 2024 एवं 19 नवंबर 2024 को भी नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें 4 लोगों का चश्मे की जांच की गयी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शीघ्र ही ऑपरेशन हो चुके मरीज व जिनका उपचार जारी है उसको निःशुल्क दवाई उपलब्ध कराया जा रहा एवं उपचार हेतु उच्च संस्थाओं से चर्चा कर समुचित उपचार के लिए कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है।

मुर्मु चार दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु पहुंची

चेन्नई(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को चार दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु पहुंची। श्रीमती मुर्मु विशेष विमान से कोयंबटूर में सुलुर हवाईअड्डे पर उतरी, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद वह पहाड़ी जिले नीलगिरी के उदगमंडलम में राजभवन में रात्रि विश्राम के लिए रवाना हो गयी। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने वहां उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति 28 नवंबर को रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज , वेलिंगटन के संकाय एवं छात्र अधिकारियों को संबोधित करेगी। वह 29 नवंबर को आदिवासी महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों एवं आदिवासी समुदाय के प्रमुख सदस्यों से नीलगिरी जिले के उदगमंडलम स्थित राजभवन में बातचीत करेंगी। राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रीमती मुर्मु 30 नवंबर को तिरुवरुर में तमिलनाडु के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेगी। राष्ट्रपति की यात्रा को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है।

मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं, मोदी-शाह का हर फैसला मंजूर: शिंदे

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर सस्पेंस के बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने आज थाणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इतनी बड़ी जनादेश के लिए महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि लोगों ने महायुती को विकास के काम के लिए अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि जो काम महा विकास आघाडी ने रोक दिया था, उसे हमने फिर से शुरू किया और इसी वजह से जनता का समर्थन हमें हासिल हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने भी जबरदस्त मेहनत की। उन्होंने कहा कि मैं चीफ मिनिस्टर नहीं, बल्कि एक कॉमन मैन बनकर काम किया। आम लोगों को जहां-जहां प्रॉब्लम होती है, उसको हमने समझने के बाद काम किया। शिंदे ने साफ तौर पर कहा कि मैं कभी अपने आप को सीएम नहीं समझा। हमने आम आदमी बनकर काम किया। यही कारण है कि हमने तमाम बड़ी योजनाओं पर काम किया। हम लाड़की बहन योजना लेकर आए। हमने परिवार के हर सदस्य को सरकार की ओर से कुछ ना कुछ देने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का पूरा समर्थन था। दोनों ने हमें जनता के लिए काम करने को कहा था और हमने किया।

डंपर पुलिया में पलटा, एक की मौत, एक गंभीर

सीहोर(एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के आष्टा में आज डंपर ओवरटेक करने के प्रयास में पुलिया में पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी और एक गंभीर हुआ है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक डंपर ओवरटेक के प्रयास में पलट गया। इस हादसे में बाइक सवार और पिकअप चालक डंपर के नीचे दब गए। पुलिस द्वारा जेसीबी, पोकलेन और क्रेन की सहायता से दो घंटे से अधिक समय तक चले रेस्क्यू आपरेशन के बाद एक युवक का शव मलवे से निकला है। जबकि एक अन्य डंपर चालक भी घायल हो गया।

अदाणी और संभल मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा, लोकसभा-राज्यसभा स्थगित

नईदिल्ली । विपक्षी सांसदों के लगातार विरोध के बीच, लोकसभा को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया और गुरुवार, 28 नवंबर को फिर से बैठक होगी। वहीं, विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण संसद के उच्च सदन की कार्यवाही भी दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नारेबाजी के साथ शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने अडानी रिश्वत मामले और संभल हिंसा को लेकर हंगामा किया। संसद का शीतकालीन सत्र 2024 सोमवार, 25 नवंबर को शुरू हुआ, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में अपना पारंपरिक संबोधन दिया, जिसमें सभी सांसदों से महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा में शामिल होने का आग्रह किया गया। विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक बुधवार को एक बार के स्थगन के बाद पुनः शुरू होने के करीब 10 मिनट के अंदर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही आरंभ होने के साथ ही कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और अदाणी समूह से जुड़े मामले को उठाने का प्रयास करने लगे, वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने संभल की घटना को उठाने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच प्रश्नकाल शुरू कराया। इस बीच, कांग्रेस और सपा के कई सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। बिरला

ने आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सदस्य अरुण गोविल का उल्लेख करते हुए कहा कि वह पहली बार प्रश्नकाल में प्रश्न पूछ रहे हैं, ऐसे में सदन की कार्यवाही चलने दी जाए। हालांकि, हंगामा नहीं थमा और विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। दोपहर 12 बजे निचले सदन की बैठक फिर शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आवश्यक कागजात सदन के पटल पर रखवाए। विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। हालांकि, शोर-शराबे के कारण सदन की बैठक दिनभर के स्थगित कर दी गई। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री की जांच के लिए कानूनों के बारे में बात की। उन्होंने अपमानजनक सामग्री की जांच के लिए कानूनों के संबंध में लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा सदस्य अरुण गोविल द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग को लेकर बुधवार को राज्यसभा में हंगामा किया, जिसके कारण उच्च सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि उन्हें अदाणी, मणिपुर हिंसा, संभल हिंसा और दिल्ली में अपराध के बढ़ते मामलों पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत कुल 18 नोटिस मिले हैं। उन्होंने सभी नोटिस अस्वीकार कर दिए। जी सी चंद्रशेखर, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, नीरज डांगी और राजीव शुक्ला सहित कांग्रेस के कुछ अन्य सदस्यों ने अन्य प्राधिकरणों के साथ मिलीभगत से अदाणी समूह के कथित भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और वित्तीय अनियमितताओं सहित अन्य कदाचारों की जांच के लिए जेपीसी के गठन के लिए नोटिस दिए थे।

अडानी मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा जरूरी : कांग्रेस

नयी दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि अडानी समूह पर दुनिया के कई देशों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनका बचाव करने की बजाए उन्हें गिरफ्तार कर इस मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा करानी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह गंभीर मामला है और इस पर संसद में नियम 267 के तहत चर्चा होनी चाहिए। सदन मोदी वंदन के लिए नहीं है। लाखों करोड़ों की हेराफेरी और घूस देने वाले अडानी को गिरफ़्तार कर सदन में उन पर लगे आरोपों को लेकर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। सेबी जैसे संस्थान इन आरोपों की निष्पक्ष

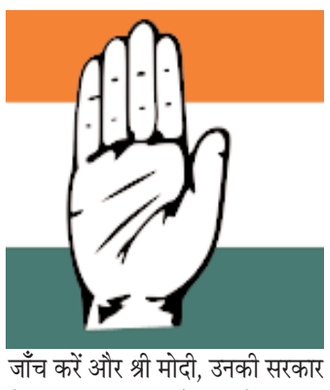

जाँच करें और श्री मोदी, उनकी सरकार के मंत्री, भाजपा और उसके सांसद अडानी का बचाव करना छोड़ दें। इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा है कि उद्योगपति अडानी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें बचाया जा रहा है। सैकड़ों लोगों को मामूली आरोपों के लिए गिरफ्तार किया जा रहा है लेकिन सरकार उनको बचा रही है। श्रीमती श्रीनेत ने कहा कि मोदी सरकार एक ही उद्योगपति के एकाधिकार को बढावा दे रहे हैं। भारत ही नहीं अमेरिका, स्वीटजरलैंड, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, इजराइल सहित दुनिया के कई देशों में अडानी समूह पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है, लेकिन भारत सरकार उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। हर ओर से घिरे अडानी सिर्फ भारत में ही सुरक्षित हैं क्योंकि यहाँ श्री मोदी के चलते कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

बंगलादेश में हिंदुओं पर हिंसा के मुद्दे पर दबाव बनाए सरकार: पवन खेड़ा

नयी दिल्ली । कांग्रेस ने बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए भारत सरकार से इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि बंगलादेश में हिंदुओं की सुरक्षा और उनकी संपत्ति की रक्षा गंभीर मसला बन गया है। वहां हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को लेकर भारत को बंगलादेश सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कांग्रेस बंगलादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के सामने आ रहे असुरक्षा के माहौल पर गहरी चिंता व्यक्त करती है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने 26/11 के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुंबई आतंकी हमले 26/11 की बरसी पर लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग द्वारा इंडिया हाउस में आयोजित स्मृति समारोह में देश के इतिहास की सबसे दुखद आतंकी घटना निरूपित किया। उन्होंने 26/11में शहीद हुए वीरों को याद कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपने मर्मस्पर्शी संबोधन में उस भयावह घटना की पीड़ा और स्मृतियों को बयाँ किया, जिसने न केवल प्रत्यक्ष पीड़ितों को बल्कि पूरे देश को अन्तम्मन तक झकझोर दिया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस तरह की घटनाओं को भूलने के बजाय उनसे सबक लेना और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने का प्रयास करना हमारा कर्तव्य है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हमले में प्राणोत्सर्ग करने वालों शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और एक शांतिपूर्ण भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने शहीदों की वीरता को सैल्यूट किया साथ ही उन जिंदगियों की दृढ़ता को भी सराहा जो इस त्रासदी से उबरकर आगे बढ़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंडिया हाउस में 26/11 दुर्घटना पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में हमले से संबंधित दुर्लभ फोटोग्राफ्स और अन्य जानकारी विजुअली प्रदर्शित की गई।

अश्विनी वैष्णव बोले-वल्गर कंटेंट रोकने के लिए सख्त कानून बने

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर वल्गर कंटेंट की रोकथाम के लिए सख्त कानून बनाने की बात कही। वैष्णव ने कहा- जिन देशों से ऐसे कंटेंट आते हैं, उनकी संस्कृति हमसे काफी अलग है। वैष्णव ने कहा- वल्गर कंटेंट की रोकथाम के लिए पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी को इस विषय पर ध्यान देने और कानून को सख्त करने की जरूरत है। वैष्णव ये बात बुधवार को संसद सत्र के दूसरे दिन लोकसभा सांसद अरुण गोविल के पूछे गए सवाल के जवाब में कही। गोविल ने सोशल मीडिया पर वल्गर कंटेंट से युवाओं पर पड़ रहे असर और इसकी रोकथाम के लिए सरकार की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए थे। सांसद गोविल ने सदन में पूछा कि वल्गर कंटेंट को रोकने के लिए मौजूदा तंत्र क्या है? और क्या सरकार इन कानूनों को और सख्त करने का प्रस्ताव कर रही है? इसके जवाब में वैष्णव ने कहा- सोशल मीडिया के युग में एडिटोरियल चेक होना समाप्त हो गया है।

पहले प्रेस से जो कुछ भी छपता

एकनाथ शिंदे बोले- भाजपा का सीएम हमें मंजूर

मुंबई। महाराष्ट्र का अगला सीएम भाजपा का हो सकता है। बुधवार को ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा। शिंदे ने कहा- मैंने कल (26 नवंबर) मोदी जी को फोन किया था हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, मन में कोई अड़चन न लाएं। हम सब हृष्ठ का हिस्सा हैं। भाजपा की बैठक में जो फैसला लिया जाएगा, हमें मंजूर

होगा। कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं बनेंगे। शिंदे बोले, मैं कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। यह जनता की विजय है। समर्थन के लिए जनता को धन्यवाद। इलेक्शन के वक्त सुबह 5 बजे तक काम करते थे। सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की। पूर्व डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शिंदे के बयान ने सबकी शंका दूर की है। महायुति में कभी भी मतभेद नहीं रहा है। हम मुख्यमंत्री के नाम पर ही जल्द ही फैसला लेंगे।

1. मैं आम आदमी, कभी खुद को सीएम नहीं समझा एकनाथ शिंदे ने कहा, आम आदमी को क्या समस्या आती है,।

सुप्रीम कोर्ट बोला-आरक्षण के लिए धर्म परिवर्तन संविधान से धोखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ आरक्षण का फायदा उठाने के लिए किया गया धर्म परिवर्तन संविधान के साथ धोखा है। अदालत ने यह फैसला 26 नवंबर को उस केस में सुनाया, जिसमें एक महिला ने क्रिश्चियन धर्म अपना लिया था, लेकिन बाद में शेड्यूल कास्ट सर्टिफिकेट हासिल करने के लिए दावा किया कि वो हिंदू है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की अपील को ठुकरा दिया और कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के 3 कमेंट 1. जब वास्तव में यकीन हो तब धर्म परिवर्तन करें जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस आर महादेवन ने मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा। बेंच ने कहा, किसी को भी धर्म परिवर्तन तब करना चाहिए, जब वो वास्तव में उस धर्म के मूल्यों, विचारों और आस्था से प्रेरित हुआ हो।

2. बिना आस्था धर्म परिवर्तन को इजाजत नहीं अदालत ने कहा, अगर धर्म परिवर्तन का मकसद आरक्षण का फायदा उठाने के लिए हो, लेकिन व्यक्ति को उस धर्म पर भरोसा नहीं हो तो इसे इजाजत नहीं दी जा सकती।

सार्वजनिक जगहों पर लगेंगे पोस्टर, होगी नुकसान की वसूली

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने संभल हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की घोषणा की है। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि संभल हिंसा में शामिल प्रदर्शनकारियों को सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए भुगतान करना होगा और पत्थरबाजों के पोस्टर सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाएंगे। संभल में रविवार (24 नवंबर) को कोट गर्वी इलाके में शहर की शाही जामा मस्जिद के अदालत के आदेश पर किए गए सर्वेक्षण पर टकराव के बाद चार लोगों की मौत हो गई और पुलिस कर्मियों सहित कई घायल हो गए, एक याचिका के बाद जिसमें दावा किया गया कि एक बार हरिहर मंदिर था साइट पर खड़ा था।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि संभल हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ यूपी सरकार सख्त रुख अपना रही है।

एस जयशंकर ने की इटली, जापान, दक्षिण कोरिया के समकक्षों से मुलाकात

फ़िउग्गी (इटली)/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इटली के फ़िउग्गी में जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान इटली, जापान और दक्षिण कोरिया के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी के साथ अपनी बैठक के बारे में विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट लिख दोनों ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे, यूक्रेन संघर्ष और इंडो-पैसिफिक पर

विचारों का आदान-प्रदान किया। आज इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी के साथ गर्मजोशी से भरी बैठक हुई। प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, उर्वरक, रेलवे और निवेश में अवसरों पर चर्चा की। आईएमईसी, यूक्रेन और इंडो-पैसिफिक पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। हाल ही में घोषित संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना हमारी गतिविधियों का मार्गदर्शन करती है। 2025 में भारत में उनका स्वागत करने के लिए तत्पर हैं। दक्षिण कोरियाई समकक्ष चो ताए-युल के साथ अपनी बैठक के बारे में उन्होंने पोस्ट किया, कोरिया गणराज्य के विदेश मंत्री चो ताए-युल से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

पहलवान साक्षी मलिक के घर आई नन्हीं मेहमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान साक्षी मलिक ने बेटी को जन्म दिया है, इसकी जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम के माध्यम से दी। पोस्ट में साक्षी मलिक ने बेटी के नाम का भी खुलासा किया। साक्षी ने अपने बेटी का नाम 3 बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और 13 बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप विजेता साओरी योशिदा पर रखा है। बता दें कि, साक्षी ने बेटी को जन्म 11 नवंबर को दिया था।

साक्षी ने अपने पोस्ट में लिखा कि, साक्षी और सत्यव्रत को ईश्वर के आशीर्वाद के रूप में पुत्री धन की प्राप्ति हुई है। योशिदा कादियान ये पोस्ट साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादियान के इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर की गई। बेटी के जन्म पर साक्षी मलिक और सत्यव्रत कादियान को कई लोगों ने बधाई दी।

बता दें कि, साक्षी मलिक ने हाल ही में अपनी बायोग्राफी विटनेस लॉन्च की। किताब में साक्षी ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

बता दें कि जापान के त्सू मी में 5 अक्टूबर 1982 को जन्मीं साओरी योशिदा पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन और रेसलिंग कोच ईकात्सु योशिदा की बेटी हैं। साओरी योशिदा ने 2002 बुसान एशियाई खेलों से 2016 रियो ओलंपिक तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 24 गोल्ड मेडल जीते। इसमें 3 ओलंपिक स्वर्ण मेडल भी शामिल हैं।

रोनाल्डो और मैसी के बाद चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने लेवांडोव्स्की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। अर्लिंग हॉलैंड ने भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल होने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मैनचेस्टर सिटी की तरफ से फेयेनोर्ड के खिलाफ दो गोल किए और इस प्रतियोगिता में अपनी कुल गोल की संख्या 46 पर पहुंचाई। हॉलैंड के इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद मैनचेस्टर सिटी ने फेयेनोर्ड के खिलाफ यह मैच 3-3 से ड्रा खेला।

मैनचेस्टर सिटी इस तरह से पिछले छह मैच में जीत हासिल नहीं कर पाया है। लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत में शुरू में ही पेनल्टी को गोल में बदलकर चैंपियंस लीग में अपना 100वां गोल किया। पोलैंड के इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वां गोल किया। चैंपियंस लीग में सर्वाधिक 140 गोल रोनाल्डो ने किए हैं। उनके बाद मेसी का नंबर आता है जिनके नाम पर 129 गोल दर्ज हैं।

लेवांडोव्स्की ने मैच के बाद कहा,''यह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में 100 गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर खुश हूं।'' छत्तीस वर्षीय लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में इस मुकाम पर पहुंचे। मेसी ने 123 और रोनाल्डो ने 137 मैच में

यह उपलब्धि हासिल की थी। बार्सिलोना की तरफ से दूसरे हाफ में दानी ओल्मो ने भी गोल किया।

बार्सिलोना ने इस तरह से ब्रेस्ट के अजेय अभियान पर रोक लगाई जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। इस बीच इंटर मिलान ने लीपज़िग को आत्मघाती गोल से 1-0 से हराया। इससे वह 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, जो बार्सिलोना और लिवरपूल से एक अधिक है। सीरी ए चैंपियन इंटर मिलान एकमात्र ऐसा क्लब है जिसने इस प्रतियोगिता में अभी तक कोई गोल नहीं खाया है। एक अन्य मैच में बायर्न म्यूनिख ने पेरिस सेंट-जर्मेन को 1-0 से हराया। अन्य मैचों में अटलांटा ने यंग बॉयज को 6-1 जबकि आर्सेनल ने स्पोर्टिंग लिस्बन को 5-1 से पराजित किया।

आरसीबी में शामिल होने के बाद विराट कोहली के बारे में ये क्या बोल गए फिल साल्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज फिल साल्ट आईपीएल 2025 में आरसीबी का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हैं। बेंगलुरु ने उन्हें 11.50 करोड़ रुपये खरीदकर अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं इस दौरान केकेआर ने भी साल्ट को खरीदने की पूरी कोशिस की लेकिन वो इसमें कामयाब नहीं हो पाए। आरसीबी से जुड़ने के बाद फिल साल्ट ने विराट कोहली के साथ खेलने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि, मैं विराट कोहली का बहुत सम्मान करता हूं। जब भी मैं उनके खिलाफ खेला, मुझे महेशा हंसने और बात करने का मौका मिला। अब एख ही टीम में उनके साथ खेलने का मौका मिलना मेरे लिए खास है। इस धाकड़ बल्लेबाज ने आरसीबी की आक्रामक खेल शैली के बारे में भी खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि, आरसीबी हमेशा आक्रामक खेलती है। उनके पास मजबूत खिलाड़ी और वर्ल्ड क्लास बैटिंग लाइन-अप है। मैं आईपीएल में उनकी टीम के मैच देखता रहा हूं और अब उस टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। बता दें कि, फिल साल्ट पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेले थे। जहां उन्होंने जेसन रॉय की जगह ली थी। साल्ट ने केकेआर के लिए शानदार प्रदर्शन किया और टीम को लगातार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस वजह से केकेआर ने उन्हें वापस खरीदने की कोशिश भी की, लेकिन बजट के चलते वे सफल नहीं हो पाए।

आईपीएल फाउंडर ललित मोदी ने किए बड़े खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के फाउंडर ललित मोदी एक बार फिर से चर्चा में हैं। उन्होंने आईपीएल फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन पर फिक्सिंग के संगीन आरोप लगाए हैं। श्रीनिवासन बीसीसीआई के पूर्व चेयरमैन भी रह चुके हैं और उनके ललित मोदी के साथ मतभेद जग जाहिर हैं। अब एक पॉडकास्ट पर चर्चा करते हुए ललित मोदी ने सीएसके के मालिक पर अंपायर फिक्सिंग के आरोप लगाए हैं। इस वायरल पॉडकास्ट पर ललित मोदी ने बताया कि एन श्रीनिवासन चेन्नई सुपर किंग्स के मैचों में अंपायरों की अदला-बदली किया करते थे। उन्होंने कहा कि, उन्होंने अंपायरों को बदलने का काम भई किया वो चेन्नई के मैचों में सीएसके के अंपायरों को काम दिया करते थे। ये मुझे अच्छा नहीं लगता था क्योंकि वो खुलेआम फिक्सिंग कर रहे थे। मैंने जब उनके खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की तो वो मेरे खिलाफ चले गए। ललित मोदी ने एंड्रयू फ्लिंटॉप पर हुई विवाद पर भी बड़ा बयान दिया है। दरअसल, चेन्नई के मालिक एन श्रीनिवासन पर आरोप लगाए जाते हैं कि उन्होंने आईपीएल 2009 के ऑक्शन में एंड्रयू फ्लिंटॉप को खरीदने के लिए नीलामी को फिक्स कर दिया था।

एनडीए के प्रतिबंध लगाने पर बोले बजरंग पूनिया, कहा- अगर बीजेपी में शामिल होता हूं तो यह हटा दिया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोप जांच के लिए नमूना देने से इनकार करने के कारण चार साल के लिए निलंबित ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया ने बुधवार को कहा कि यह सरकार का प्रतिशोधात्मक कदम है और वह भाजपा में शामिल हो जाते हैं तो यह प्रतिबंध हटा दिया जाएगा। नाडा ने कहा कि बजरंग ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान नमूना देने से इनकार करके नियमों का उल्लंघन किया। डोपिंग रोधी संस्था ने सबसे पहले तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान को 23 अप्रैल को इस उल्लघंन के लिए निलंबित किया था। जिसके बाद खेल की विश्व संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। बजरंग ने पत्रकारों से कहा, ''यह चौंकाने वाला नहीं है क्योंकि ट्रायल का यह मामला पिछले एक साल से चल रहा है।

मैंने पहले भी कहा है कि मैंने नाडा को नमूना देने से इनकार नहीं किया है। जब वे डोप जांच के लिए मेरे घर आए थे तो वे एक 'एक्सपायरी किट' (दिसंबर 2023 में) लेकर आए थे। मैंने इसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया है।''

पूनिया और उनकी साथी पहलवान ओलंपियन विनेश फोगाट इस साल के शुरु में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। बजरंग ने अपने बचाव में कहा, ''आप किसी भी खिलाड़ी को 'एक्सपायरी किट' नहीं दे सकते। जहां तक मेरा सवाल है तो मेरी टीम वहां थी इसलिए उन्होंने यह देख लिया। वे 2020, 2021, 2022 की 'एक्सपायरी किट' लेकर आए थे।''

उन्होंने कहा, ''मैंने मूत्र का नमूना दिया था लेकिन फिर मेरी टीम ने किट की जांच की और पाया कि यह 'एक्सपायर' (तारीख खत्म होना) हो चुकी थी। इसलिए हमने किट का वीडियो बनाया और हमने नाडा को मेल किया। लेकिन उन्होंने अपनी गलती स्वीकार नहीं की।''

इस पहलवान ने आरोप लगाया कि सरकार भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चल रहे धरने में शामिल होने के लिए उनसे बदला लेना चाहती है। उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि महिला पहलवानों के समर्थन में हमारे विरोध प्रदर्शन के कारण वे बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि सभी एजेंसियां ??सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती हैं।'

पूनिया ने दावा किया, ''मैं पिछले 10-12 साल से प्रतिस्पर्धा कर रहा हूं और मैंने सभी टूर्नामेंटों और भारत के शिविरों के दौरान नमूना दिया है। लेकिन सरकार का मकसद हमें तोड़ना और उनके सामने झुकाना है। अगर मैं भाजपा में शामिल हो जाता हूं तो मुझे लगता है कि सभी प्रतिबंध हटा लिये जाएंगे।''

इस निलंबन का मतलब है कि बजरंग 22 अप्रैल 2028 तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापस नहीं आ पाएंगे। इसके अलावा अगर वह विदेश में कोचिंग की नौकरी के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो वह ऐसा नहीं कर पाएंगे।

एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं, उम्मीद है कि मजबूत वापसी करूंगा- गुकेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कहा कि उनका ध्यान एक समय में एक बाजी पर केंद्रित है और उन्हें उम्मीद है कि वह शतरंज विश्व चैम्पियनशिप में जल्द ही मजबूत वापसी करेंगे। चेन्नई के इस 18 साल के खिलाड़ी का लक्ष्य डिंग लिरेन को पछाड़कर शतरंज में सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनना है। गुकेश ने मंगलवार को यहां काले मोहरों से खेलते हुए चीन के खिलाड़ी खिलाफ दूसरी बाजी ड्रा कराकर वापसी की। इससे पहले सोमवार को लिरेन ने सफेद मोहरों से खेल रहे भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा उठाकर शुरुआती मुकाबले को अपने नाम किया था।

गुकेश ने 14 बाजियों वाले इस मैच के दूसरे मुकाबले के बाद कहा, ''आज एक अच्छा दिन था और उम्मीद है कि हमारे पास और भी अच्छे दिन आएंगे।'' उन्होंने कहा, ''विश्व चैम्पियनशिप मैच में काले मोहरों के साथ ड्रा हमेशा अच्छा होता है। यह मैच अभी शुरुआती चरण में है और हमारे पास अभी काफी समय है।'' लिरेन ने पिछला विश्व चैंपियनशिप खिताब रूस के इयान नेपोमनियाचची के खिलाफ तीन बार पिछड़ने के बाद जीता था। ऐसे में गुकेश के पास भी वापसी का पूरा मौका है।

गुकेश ने कहा, '' विश्व चैम्पियनशिप में खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी पर दबाव होना लाजमी है। यहां बहुत दबाव है। मैं हालांकि इसे एक चुनौती के तौर पर देख रहा हूं कि मैं इतने सारे लोगों और अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं एक समय में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं। उम्मीद है कि चीजों को अपने पक्ष में कर पाउंगा।'' गुकेश ने कहा, ''मुझे लगता है कि शुरुआत (पहले मैच में हार के कारण) में आश्चर्यचकित होने के बाद मैंने लिरेन को कोई मौका नहीं दिया। काले मोहरों के साथ यह दमदार मुकाबला था।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं अच्छा मैच खेलने की कोशिश करूंगा, क्योंकि आखिरकार आप जीतने के लिए केवल एक ही चीज कर सकते हैं वह है अच्छा खेल दिखाना।''

इस चैम्पियनशिप में 7.5 अंक तक पहुंचने वाला खिलाड़ी विजेता बनेगा। इसकी पुरस्कार राशि 2.5 मिलियन डॉलर है।

विश्व एथलेटिक्स प्रमुख सेबेस्टियन को भारत में, खेलमंत्री से 2036 ओलंपिक की दावेदारी पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सबेस्टियन को ने खेलमंत्री मनसुख मांडविया के साथ मुलाकात करके भारत के 2036 ओलंपिक की मेजबानी के इरादे और देश में एथलेटिक्स के विकास पर बात की। को ने बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी अनौपचारिक मुलाकात की लेकिन उसके बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के एक शीर्ष सूत्र ने यह जानकारी दी। इसके बाद को शाम की फ्लाइट से मुंबई रवाना हो गए। चार ओलंपिक पदक जीतने वाले 68 वर्षीय मध्यम दूरी के पूर्व धावक को की सोमवार सुबह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रमुख आदिले सुमरिवाला ने अगवानी की।

ब्रिटेन के महान खिलाड़ी को वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का अगला अध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं और माना जाता है कि यह दौरा उनके लिए समर्थन जुटाने के अभियान का हिस्सा है। खेल मंत्रालय की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार ,'' डॉक्टर मांडविया ने उनसे समावेशी, पर्यावरण अनुकूल और प्रेरणादायी खेलों के आयोजन के भारत के संकल्प पर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व स्तर पर भारत की सांस्कृतिक विरासत और खेल क्षमता को दिखाने के लिये 2036 ओलंपिक की मेजबानी की हमारी महत्वाकांक्षा को हर स्तर पर सरकार, उद्योग और समाज का व्यापक समर्थन हासिल है।''

भारत ने पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को 2036 ओलंपिक की मेजबानी का इरादा जाहिर करने वाला पत्र सौंप दिया है। मेजबान शहर का फैसला अगले साल आईओसी चुनाव के बाद होगा। आईओसी के चुनाव अगले साल होने हैं। थॉमस बाक अभी आईओसी प्रमुख हैं। मांडविया और को की मुलाकात के दौरान सुमरिवाला, एएफआई महासचिव रविंदर चौधरी और खेल मंत्रालय के कई अधिकारी मौजूद थे। एएफआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''ये अनौपचारिक बैठकें हैं, असल में शिष्टाचार भेंट। शाम को प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद वह एक व्यावसायिक कार्यक्रम के लिए मुंबई जाएंगे।'' को के नाना एक भारतीय (दिवंगत होटल व्यवसायी सरदारी लाल मल्होत्रा) थे। को अंतरराष्ट्रीय खेलों में एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं और पेरिस ओलंपिक से पहले उन्होंने काफी चर्चा बटोरी थी जब उनके नेतृत्व में विश्व एथलेटिक्स ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए भारी नकद पुरस्कारों की घोषणा करने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन गया था।

आरसीबी से अलग होने के बाद फाफ डुप्लेसी ने शेयर की दिल की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी और आरसीबी की राहें अलग हो चुकी हैं। डुप्लेसी अब आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। उन्हें दिल्ली ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा। आरसीबी ने ऑक्शन से पहले 40 वर्षीय डुप्लेसी को रिलीज कर दिया था। उन्होंने तीन सीजन आरसीबी की कप्तानी की।

वह 2022 में फ्रेंचाइजी से जुड़े थे। आरसीबी संग चैप्टर क्लोज होने पर डुप्लेसी ने लंबी चौड़ी इमोशनल पोस्ट शेयर किया है।

डुप्लेसी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि, आरसीबी संग मेरा चैप्टर क्लोज हो गया है। इसके साथ ही मैं बताना चाहता हूं कि ये कितना कमाल कर सफर रहा है। जब मैं तीन साल पहले आरसीबी में शामिल हुआ था तो मुझे नहीं पता था कि ये

सफर कैसे आगे बढ़ेगा। लेकिन मुझे बेंगलुरु शहर और आरसीबी के शानदार लोगों से प्यार हो गया। ये जगह और इसके लोग मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा बन गए हैं। मैं इन यादों और मेरे द्वारा बनाए गए कनेक्शन को हमेशा अपने साथ रखूंगा। इन तीन सालों को बेहद खास बनाने के लिए आपका शुक्रिया। पूर्व कप्तान ने आरसीबी के होम ग्राउंड और फ्रेंजाइजी के जबरदस्त फैनबेस का भी जिक्र किया है। फाफ ने लिखा कि, चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलना मेरे करियर के सबसे शानदार अनुभवों में से एक रहा है। फैंस की ऊर्जा, जुनून और सपोर्ट इसे वास्तव में अनोखा बनाते हैं। हर बार जब मैं मैदान पर कदम रखता था तो माहौल जादुई से कम नहीं होता था। अलविदा कहते हुए मैं सभी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। फैंस मेरे साथी, कर्चमारी, कोच और मालिक। आपके साथ इस यात्रा का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। आपको ढेर सारा प्यारा।

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर के निर्देश

50 दिवस से ऊपर की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर फोकस करें, कोई भी शिकायत ट्रांसफर नहीं होगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में कलेक्टर रानी बाटड ने समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कहा कि सभी विभाग प्रमुख 50 दिवस से ऊपर की सीएम हेल्पलाइन पर फोकस कर शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें। उन्होंने एक विभाग से दूसरे विभाग को शिकायतों के ट्रांसफर की प्रवृत्ति को गंभीरता से लेते हुए कहा कि कोई भी शिकायत कारण सहित लिखित प्रतिवेदन के बिना दूसरे विभाग को ट्रांसफर नहीं की जायेगी। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री पीएचई शरद सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी सहित विभग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि सभी विभाग उन्नत ग्रामों में अपनी विभागीय योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र जनों को पहुंचाकर सेचुरेशन की स्थिति लाये। इन हितग्राहियों में एससी, एसटी और कमजोर वर्ग के लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कलेक्टर ने कहा कि एक सप्ताह में सम्पूर्ण कार्यवाही पूरी कर जनपद पंचायत के माध्यम से प्रेजेन्टेशन भी अगली बैठक में देंगे। बुधवार और गुरूवार को जिला अधिकारियों के जिले में निर्धारित दिनों में अनुपस्थिति पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित दिवसों में जिले से बाहर रहने की अनुमति और सूचना कमिश्नर कार्यालय से प्राप्त कर ही मुख्यालय छोडे। कठहा के जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में अनुपस्थित रहे जिला अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के नाट-अटेण्ड रहने पर संबंधित विभाग प्रमुख की वेतन काटी जायेगी। नाट-अटेण्ड शिकायतों में संस्थागत वित्त (बैंक) और जिला अस्पताल की प्रमुख रूप से शामिल रही। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें अधिकारी स्वयं देखे और कम्प्यूटर आपरेटर के भरोसे नहीं छोडे। इससे निराकरण की गुणवत्ता बढेगी और संतुष्टिपूर्ण प्रतिशत भी बढेगा। अब कोई भी लंबित शिकायतें वाट्सअप ग्रुप पर नहीं डाली जायेगी। दूसरे विभाग में शिकायतों का तभी ट्रांसफर होगा, जब विभाग प्रमुख अधिकारी लिखित में देंगे कि शिकायत का संबंध उनके विभाग से नहीं है। सीएम हेल्पलाइन की 50 दिवस से ऊपर की कुल 1132 शिकायतें लंबित पाई गई। इसी प्रकार नवम्बर माह की 2368 शिकायतें लंबित रही। कलेक्टर ने इन्हें संतुष्टिपूर्ण ढंग से बंद करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जनसुनवाई, टीएल, प्रभारी मंत्री के माध्यम से प्राप्त शिकायतें, लोक कल्याण शिविर के आवेदनों के निराकरण की समीक्षा में कहा कि संबंधित आवेदक को भी कृत कार्यवाही की सूचना दी जाये। राजस्व महाअभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि गतिविधियों में तेजी लाये। अभियान की सतत मानीटरिंग की जायेगी।

कमिश्नर ने मतदान केन्द्र में लिया मतदाता सूची पुनरीक्षण का जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करके मतदाता सूची पुनरीक्षण का जायजा लिया। कमिश्नर ने विधानसभा क्षेत्र रीवा के मतदान केन्द्र क्रमांक 83, 84, 85, 94, 95 और 86 का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक 20 और 21 का निरीक्षण किया।

मौके पर उपस्थित बीएलओ को निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहा कि प्रत्येक मतदाता का घर-घर जाकर सत्यापन करें। हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल करें। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अर्हता की तिथि एक जनवरी 2025 को 18 साल की आयु पूरी करने वाले सभी युवाओं के नाम भी मतदाता सूची में शामिल कराएं। इसके लिए ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा अन्य मैदानी कर्मचारियों का सहयोग लें।

कमिश्नर ने बीएलओ से मतदाताओं के सत्यापन की प्रक्रिया, फार्म 6, फार्म 7 तथा फार्म 8 से मतदाता सूची में की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी ली। कमिश्नर ने कहा कि ग्राम पंचायत से मृतकों की सूची लेकर मृत मतदाताओं के नाम सूची से पृथक करें। कमिश्नर ने रीवा नगर निगम क्षेत्र के ज्योति स्कूल में बनाए गए मतदान केन्द्रों तथा ग्राम चोरगड़ी प्राथमिक शाला क्रमांक दो में बनाए गए मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

कमिश्नर ने एसडीएम हुजूर को मतदान केन्द्र क्रमांक 85, 86 और 95 के अनुपस्थित बीएलओ को कारण बताओ नोटिस देकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय अपर कमिश्नर अरूण परमार, एसडीएम गुढ़ डॉ अनुराग तिवारी, एसडीएम रायपुर कर्चुलियान पीएस त्रिपाठी, तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला, तहसीलदार गुढ़ विनयमूर्ति शर्मा, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आबकारी नियमों की अवहेलना कर की जा रही शराब की बिक्री

रस्ते का माल सस्ते में, सुरा प्रेमियों को शराब में मिला बंपर ऑफर, 2 बोतल शराब के साथ तीसरा बोतल फ्री

2000 हजार में ब्लेंडर की 3 बोतल, 18 सौ में 3 रॉयल स्टैग, मैकडॉवेल की मिलेगी महज 12 सौ में 3 बोतल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में संचालित शराब दुकानों में लगातार लंबे समय से आबकारी नीतियों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं जिसमें दुकान संचालकों के द्वारा मनमाना तरीके से शराब की बिक्री की जा रही है और मनमाना बिक्री से आबकारी नियमों की अवहेलना के साथ ही आम लोगों से ठगी की जा रही है।

आबकारी दुकानों की मनमाना बिक्री का ऐसा ही ताजा मामला सामने आया है सिरमौर चौराहे पर स्थित शराब दुकान से जहां पहले तो लोगों को अधिक दामों में शराब बेचा जा रहा था वहीं अब कीमतों के साथ छेड़खानी करते हुए 2 बोतल के साथ एक बोतल फ्री देकर उन्हें चूना लगाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि सिरमौर चौराहे पर स्थित दुकान के आबकारी ठेकेदार ने आबकारी नियमों की धज्जियां उड़ते हुए शराबों का मनमाना दाम बनाकर उन्हें बेचने का काम शुरू किया है मगर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं जा रहा है। जानकारी के अनुसार विगत एक सप्ताह से लगातार फ्री की स्कीम बनाकर लोगों को अपनी दुकान की ओर आकर्षित करते हुए शराब दुकान के संचालक के द्वारा शासन को क्षति पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

जानकारी तो यह भी निकलकर सामने आई है कि इसी दुकान में एक सप्ताह पहले अधिक दामों में शराब का विक्रय किया जा रहा था जिससे लोग परेशान थे परंतु पीने की आदत के कारण उन्हें मजबूरन मनमाना दाम अदा करके शराब खरीदना पड़ रहा था जिसके बाद शराब ठेकेदार ने फिर नियमों की अनदेखी करते हुए बिना विभाग की जानकारी के फ्री की स्कीम लगाकर नियमों का उल्लंघन किया है।

यह है वर्तमान कीमतें: शराब दुकान संचालक ने वर्तमान में ब्लेंडर नाम की शराब को 2000 रुपए में बेचना शुरू किया है जिसमें दुकान संचालक 3 बोतल शराब देने का कार्य शुरू किया है। वहीं रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल नाम की शराबों में भी फ्री की स्कीम लगाई गई है जिसमें रॉयल स्टैग 18 सौ में 3 बोतल और मैकडॉवेल 12 सौ में 3 बोतल बेची जा रही है। आबकारी विभाग के अधिकारियों की माने तो शराब को लेकर दुकान संचालक के द्वारा कीमत की गिरावट और अधिक कीमत पर उसका विक्रय करना दोनों ही नियम विपरीत है तथा पूरे प्रदेश में प्रत्येक शराब की बोतलों के लिए एक साथ ही कीमत का निर्धारण होता है जिससे कम या अधिक दामों में बेचना अपराध कहलाता है।

उप निर्वाचन के लिये रेण्डमाइजेशन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन 2024 के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 एवं 29 नवम्बर को प्रातः 10.30 बजे से शायं 6 बजे तक शासकीय पालीटेक्निक कालेज रीवा के हाल क्रमांक जी-12 में एफएलसी की जायेगी। इसी क्रम में एक दिसंबर को प्रातः 11.30 बजे कलेक्ट्रेट के एमआईसी में जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर रेण्डमाइजेशन तदुपरांत अपरान्ह 3 बजे शासकीय पालीटेक्निक कालेज में रिटर्निंग अधिकारी स्तर पर रेण्डमाइजेशन व मशीनों का वितरण किया जायेगा।

शासकीय अशासकीय शालाओं में इस वर्ष 16 दिसम्बर से होगा अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश की शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में इस वर्ष 16 दिसम्बर से अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन किया जायेगा। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन कक्षा 3 से 8 की सभी शासकीय शालाओं, अशासकीय शालाओं के साथ मदरसों में भी होगा। अद्धवार्षिक मूल्यांकन 16 से 21 दिसम्बर की अवधि में किया जायेगा। अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन 30 नवम्बर 2024 तक पढ़ाये गये पाठ्यक्रम के अनुसार किया जायेगा। मूल्यांकन के लिये प्रश्न पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र तैयार कर रहा है। कक्षा 5 और 8 के विषयवार प्राप्त अंकों की प्रविष्टि परीक्षा पोर्टल पर की जायेगी। अधिभार की गणना शाला द्वारा नहीं की जायेगी। यह गणना सॉफ्टवेयर में स्वतः ही हो जायेगी।

इस संबंध में विस्तृत निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड कर दिये गये हैं। कक्षा 5 और 8 के बच्चों की पंजीकरण की व्यवस्था ऑनलाइन पोर्टल ह्यह्यद्वद्वश्च.द्वठ्ठ पर की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने त्नशिक्षारस्र्- पोर्टल पर पूर्व से कार्यरत अतिरिक्त अतिथि शिक्षकों को रिलीव करने के संबंध में प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। निर्देश में बताया गया है कि शासकीय शालाओं में नवीन भर्ती से शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इसके साथ ही उच्च पद प्रभार से भी शिक्षक पदस्थ किये गये हैं। इस कारण स्वीकृत पद के विरूद्ध रिक्त पद उपलब्ध न होने पर संबंधित विषय में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को रिलीव किया जाना होगा। इस संदर्भ में एक ही विषय में एक से अधिक अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं तथा रिक्त पद एक ही है, तो अतिथि शिक्षक को रिलीव करने की कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर प्रदर्शित किये गये है।

हम होंगे कामयाब अभियान के तहत दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम के लिए 'हम होंगे कामयाब' अभियान 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2024 के सभी विभागों के समन्वय से जिला प्रशासन की ओर से समस्त जिले में चलाया जा रहा है। बुधवार को अभियान अंतर्गत शासकीय कन्या इंदिरा महाविद्यालय सतना में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायाधीश श्रीमती पावस श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में महाविद्यालय की बालिकाओं को बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोक्सो अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा सभी प्रकार की हिंसा के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महिला थाना प्रभारी श्रीमती प्रियंका पाठक द्वारा बालिकाओं को महिला ऊर्जा डेस्क, बाल विवाह निषेध, छेड़छाड़ की होने वाली घटनाओं से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर में जिला विधिक सेवा जिला विधिक सहायता अधिकारी मोहम्मद जिलानी, महिला बाल विकास के सहायक संचालक श्यामकिशोर द्विवेदी, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती नीता श्रीवास्तव तथा महाविद्यालय के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

8 से 10 दिसंबर तक संचालित होगा पल्स पोलियो अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में 8 से 10 दिसंबर तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जायेगा। अभियान के तहत जिले में पांच वर्ष की उम्र तक के बच्चों को दो बूंद पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। अभियान के पहले दिन 8 दिसंबर को बूथ पर दवा पिलाई जायेगी। पहले दिन पल्स पोलियो की दवाई से वंचित रहने वाले बच्चों को अगले दिन 9 एवं 10 दिसंबर को घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा दवा पिलाई जायेगी। इस आशय की जानकारी कलेक्टर मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में आयोजित पल्स पोलियो अभियान की जिला टास्क फोर्स की बैठक में दी गई। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, आरती यादव, डॉ. आरती सिंह, सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ सुचित्रा अग्रवाल, जिला कार्यक्र म अधिकारी सौरभ सिंह, जनसंपर्क अधिकारी राजेश सिंह तथा समस्त बीएमओ, डीपीओ उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि पल्स पोलियो अभियान के दौरान मीजेल्स रुबेला के लक्षणों वाले बच्चों को भी चिन्हित किया जायेगा। कलेक्टर ने अंतर्विभागीय समन्वय के लिये प्रभारी जिला कार्यक्र म अधिकारी मैहर राजेन्द्र बांगरे को निर्देशित किया है कि पल्स पोलियो अभियान में सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्तायें, सहायिकायें भी टीकाकरण दलों का आवश्यक सहयोग करेंगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल ने बताया कि अभियान के संचालन के लिये कुल 968 टीकाकरण बूथ बनाये गये है। जिनमें अमरपाटन में 255, रामनगर 280, मैहर में 433 बूथ शामिल है। इसी प्रकार 38 ट्रांजिट बूथ और 13 मोबाइल टीमें भी बनाई गई है। कुल टीमों की संख्या 1013 रहेगी। जिनमें 2026 कर्मचारी तैनात रहेंगे। सुपर वीजन के लिए 108 सुपरवाइजरों की डयूटी लगाई गई है। अभियान के दौरान मैहर जिले के 0 से 5 वर्ष तक के 1 लाख 11 हजार 942 बच्चों को पोलियो दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

जागरूकता अभियान के तहत कार्यशाला का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जेंडर आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए जागरूकता अभियान के तहत हम होंगे कामयाब पखवाड़ा का आयोजन बुधवार को जनपद पंचायत मैहर के सभागार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान मे कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जिला कार्यक्र म अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजेन्द्र बांगरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतिपाल बागरी, परियोजना अधिकारी, अखिलेश दीपांकर, बीपीओ रावत, समनवयक एनआरएलएम जितेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में स्व सहायता समूह की महिला प्रतिनिधि छात्र-छात्राएं उपस्थित रही। डीपीओ राजेन्द्र बांगरे ने कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के संबंध मे विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए बाल विवाह के कानूनी पहलुओं और उसके दुष्परिणाम पर प्रकाश डाला। सीएलएफ की अध्यक्ष श्रीमती ममता पटेल ने नारी हिंसा पर उद्धरण सहित अपने उदबोधन मे जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया। सीईओ प्रतिपाल बागरी ने बाल विवाह के विरूद्ध शपथ दिलाई व जेंडर आधारित हिंसा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए जानकारी दी।

खेलो एमपी यूथ गेम्स के सफल आयोजन हेतु बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण भोपाल के निर्देशानुसार खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 के सफल आयोजन के लिए 28 नवम्बर को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

राज्यमंत्री बागरी आज सतना आयेंगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी 28 नवम्बर को प्रातः 6.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगी।

जन समस्या निवारण शिविर आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के बदेरा बस स्टैण्ड परिसर में 28 नवम्बर को जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर में मैहर जिले के सभी विभाग के जिला, अनुभाग स्तर के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। क्षेत्र की जनता की समस्याओं का निराकरण उसी दिन होगा।

नि :शुल्क शिविर में कटे-फ्टे होठ एवं तालू से पीड़ित 14 बच्चो की हुई जांच

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एलके तिवारी ने बताया कि बुधवार को जीएनएम नर्सिंग कालेज धवारी सतना में जन्मजात विकृत शून्य से 18 वर्ष तक के कटे-फ्टे होठ एवं तालू से पीड़ित बच्चों के लिये निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन दुबे सर्जिकल हास्पिटल जबलपुर के सहयोग से किया गया। शिविर में विकासखण्डवार पदस्थ आरबीएसके टीम द्वारा जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों की स्क्र ीनिंग कर चिन्हित पाये गये बच्चों को जिला अस्पताल रेफर कर पंजीयन के उपरांत निःशुल्क शिविर में बच्चों का परीक्षण किया गया। शिविर में ऐसी जन्मजात विकृति जो मां के गर्भ से ही बच्चों में पाई जाती है और 1000 जीवित जन्म में 0.93 बच्चे कटे-होठ एवं फ्टे तालू से पीडित पाये जाते हैं। शिविर में विकासखण्डवार कटे-होठ एवं फ्टे तालू से पीडित 14 बच्चों का परीक्षण कर सर्जरी के लिये 11 चिहिन्त किये गये। इलाज के लिए 6 बच्चों को ऑपरेशन हेतु आरबीएसके टीम द्वारा दुबे सर्जिकल एण्ड डेन्टल हास्पिटल जबलपुर ले जाया गया है। तथा 5 बच्चों को सर्जरी के लिए आगामी तिथि निर्धारित की गई है। परीक्षण शिविर के दौरान डॉ. मीना द्विवेदी, डीसीएम डॉ. ज्ञानेश मिश्रा, चन्द्रकांत द्विवेदी, डॉ. यादवेन्द्र सिंह, डॉ. देवबृत दीक्षित, डॉ. पुष्पा प्रजापति, डॉ. प्रियंका तिवारी, डॉ. पूजा शुक्ला, सोशल वर्कर राखी पाण्डेय, विक्र म प्रजापति, पुष्पेन्द्र दाहिया सहित आरबीएसके की टीम तथा बच्चों के परिजन उपस्थित रहे।

बिना पंजीयन संचालित हो रही अवैध 3 पैथालॉजी बंद करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सतना डॉ. एलके तिवारी ने सतना शहर में बिना पंजीयन संचालित 3 अवैध पैथालाजियों को बंद करने के आदेश दिये हैं। जांच के दौरान पाया गया कि विंध्य पैथालाजी लैब बस स्टैण्ड सतना, कृष्णा पैथालॉजी भरहुत नगर एवं सत्यम पैथालाजी सिंधी कैम्प सतना का संचालन रूजोपचार संबंधी स्थापनायें (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 के तहत पंजीयन प्राप्त किये बिना ही किया जा रहा है जबकि अधिनियम की धारा 4 और 5 के अंतर्गत नर्सिंग होम, क्लीनिक, पैथालाजी लैब का पंजीयन अनिवार्य किया गया है। अधिनियम 3 के तहत कोई भी मान्य चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा अर्हताधारी व्यक्ति ही पंजीकृत होकर पैथालॉजी खोल सकता है। सभी तीनों अवैध रूप से संचालित पैथालाजी तत्काल बंद कर सीएमएचओ को अवगत कराने और पैथालाजी का भविष्य में संचालन रूजोपचार संबंधी स्थापनायें (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 के तहत पंजीयन कराकर ही किये जाने की चेतावनी दी गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।